



दैनिक

डाक पंजीयन क्र. छ.ग./दुर्ग/13/2024-26

Email- srambindu@gmail.com  
shrambindu@yahoo.in

प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव

मिलाई संस्करण

गुरुवार, 20 जून 2024

वर्ष - 37, अंक - 344

पृष्ठ-8, मूल्य- 01 रूपए

37  
वर्ष  
1987-2024

मिलाई एवं रांची से एक साथ प्रकाशित समाचार पत्र...

आर.एन.आई. पंजी. क्र. 54135/88

# श्रमबिन्दु

आप भी समाचार  
भेज सकते हैं

वाट्सअप: 8349764019

9098178627

srambindu.com

## खास खबर...

छत्तीसगढ़ व्यापम 23 जून को  
लेगा पीपीटी एट्रेस एग्जाम

श्रमबिन्दु / रायपुर

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल यानी व्यापम की ओर से पॉलिटेक्निक कॉलेजों में प्रवेश के लिए पीपीटी परीक्षा का आयोजन 32 जिला मुख्यालयों में होगा। परीक्षा 23 जून को सुबह 9 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक होगी। छात्र अपनी प्रोफाइल में जाकर प्रवेश पत्र 17 जून से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अलावा अभ्यर्थी प्रवेश पत्र व्यापम की वेबसाइट एवं चिपस की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक में से किसी भी लिंक पर क्लिक करके अपने प्रोफाइल लॉगिन पेज पर जा सकते हैं। अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर स्क्रू के माध्यम से एक सक्षिप्त यूआरएल भी भेजा जाएगा। अभ्यर्थी इस यूआरएल को क्लिक कर अपने मोबाइल पर सीधे प्रवेश पत्र प्राप्त कर उसका प्रिंट आउट ले सकते हैं। व्यापम के मुताबिक, परीक्षा दिवस को सभी परीक्षार्थी लगभग एक घंटे पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र में उपस्थित होना है। उनके मूल पहचान पत्र से उनका पहचान किया जा सके एवं परीक्षा केन्द्र में जाने के लिये अनुमति दी जा सके।

प्रभारी सीएमओ सुमित  
मेहता सस्पेंड

श्रमबिन्दु / रामानुजगंज

छत्तीसगढ़ प्रदेश में विकास कार्य को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पूरी तरह से अलर्ट हैं। विकास कार्य में लापरवाही बरतने वाले प्रभारी सीएमओ सुमित मेहता को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही तीन इंजीनियर एवं एक लेखपाल भी शामिल हैं। नगरीय प्रशासन विभाग के इस कार्रवाई से पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा हुआ है।

सिक्किम की  
बाढ़ में फंसे  
कई लोगराम तेरी माया  
कहीं धूप कहीं  
छाया...!!11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

11 राज्यों में  
हीटवेव का  
अलर्ट

Yes...

## सीएम साय कैबिनेट में बड़ा निर्णय... आदिवासी विकास व अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरणों को सशक्त बनाया जाएगा

श्रमबिन्दु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों के पुनर्गठन का निर्णय लिया गया।

इसका उद्देश्य पांचों प्राधिकरणों को कार्य प्रणाली को प्रभावी एवं सशक्त बनाने के साथ ही उन क्षेत्रों में जनसुविधा के कार्यों को गति प्रदान करना है। इन पांचों प्राधिकरणों की कमान अब सीधे मुख्यमंत्री के जिम्मे होगी। स्थानीय विधायकों में से एक विधायक को इसका उपाध्यक्ष मनोनित किया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक इन प्राधिकरणों के सदस्य होंगे। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव अथवा सचिव इन पांचों प्राधिकरणों के सदस्य सचिव होंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004-05



में बस्तर, सरगुजा एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण का गठन तत्कालीन सरकार द्वारा किया गया था। तत्पश्चात् वर्ष 2012 में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन किया गया। इन प्राधिकरणों के अध्यक्ष मुख्यमंत्री हुआ करते थे। प्राधिकरणों के गठन के पश्चात् अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों, अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्रामों, मजरा-टोला, पारा-मोहल्लों, वाडों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी आवश्यकताओं के अनेक महत्वपूर्ण कार्य कराए गए थे। वर्ष 2019 में तत्कालीन सरकार द्वारा इन

प्राधिकरणों के कार्य संचालन की प्रक्रिया में अमूल-चूल परिवर्तन कर दिया गया, जिसके चलते प्राधिकरणों का न सिर्फ महत्व कम हो गया, बल्कि इनके कार्यों में पारदर्शिता मॉनिटरिंग का अभाव होने के साथ ही शासन स्तर पर कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं रहा। उक्त स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कैबिनेट ने पांचों प्राधिकरणों के पुनर्गठन एवं निधि नियम के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान 23 फरवरी, 2024 को पारित अशासकीय संकल्प के तहत प्रदेश के जितने भी

मैदानी क्षेत्र हैं, उन क्षेत्रों में भी जहां अनुसूचित जनजातियों की 25 प्रतिशत से अधिक बहुलता है, उन क्षेत्रों के गांवों एवं ब्लाकों को मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के क्षेत्रों में शामिल किया गया है। प्राधिकरण अपना कार्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त कर, मतैक्य से मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप करेंगे। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्राधिकरण सामाजिक, आर्थिक एवं सर्वांगीण विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा।

प्राधिकरण को सशक्त, पारदर्शी एवं प्रभावशाली बनाया जाएगा। वर्तमान में प्राधिकरण के माध्यम से होने वाले विकास कार्यों के लिए बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के लिए 50-50 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है तथा ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के लिए 80 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। कैबिनेट द्वारा उच्च शिक्षा विभाग में अतिथि व्याख्याता नीति-2024 का अनुमोदन किया गया।

## उप मुख्यमंत्री अरुण साव के सख्त तेवर

### गुणवत्ताहीन कार्यों और काम में लापरवाही पर 5 अधिकारी तत्काल प्रभाव से निलंबित

श्रमबिन्दु / रायपुर

राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने गुणवत्ताहीन कार्यों और काम में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई करते हुए पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुरोध के बाद विभाग द्वारा रायगढ़ जिले के घरघोड़ा नगर पंचायत में निर्माण कार्यों एवं दायित्व निर्वहन में लापरवाही और गुणवत्ताहीन कार्यों के लिए नगर पंचायत के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित पांच अधिकारियों के निलंबन का आदेश मंत्रालय से जारी किया गया है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने घरघोड़ा नगर पंचायत में अधोसंरचना मद के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की निविदा आमंत्रित करने के पूर्व निविदा प्रारूप का सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन नहीं कराने, विभिन्न वाडों में कराए गए सीसी रोड निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड के अनुरूप नहीं कराने, कार्य का भौतिक निरीक्षण नहीं करने, गुणवत्ताहीन सीसी रोड निर्माण कार्य का भुगतान करने तथा निजी एवं सार्वजनिक भूमि का सत्यापन किए बिना

सीसी रोड निर्माण कार्य प्रस्तावित व संपादित करने के लिए प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुमित मेहता को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। विभाग ने घरघोड़ा नगर पंचायत में विभिन्न वाडों में कराए गए सीसी रोड निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड के अनुरूप नहीं कराने, कार्य का भौतिक निरीक्षण नहीं करने, निर्माण कार्यों का माप-पुस्तिका में इंद्राज नहीं करने तथा गुणवत्ताहीन सीसी रोड निर्माण कार्य का संपादन करार भुगतान की अनुशंसा करने के लिए तत्कालीन उप अभियंता निखिल जोशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। कराए गए सीसी रोड निर्माण कार्यों का माप-पुस्तिका में इंद्राज नहीं करने, निर्माण के दौरान परीक्षण हेतु क्युब नहीं लेने, निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड के अनुरूप नहीं कराने, संपादन करार भुगतान करने की अनुशंसा के लिए तत्कालीन उप अभियंता प्रदीप पटेल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। नगरीय प्रशासन विभाग ने घरघोड़ा नगर पंचायत में पूर्व में निर्मित सड़क की स्थिति संतोषप्रद होने के बावजूद नवीन सड़क हेतु मिट्टी खुदाई, जी.एस.बी., अजय प्रधान को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

## कांकेर जिले में रेत खनन पर पूर्ण प्रतिबंध : कलेक्टर

श्रमबिन्दु / कांकेर

कांकेर। जिलाधीश नीलेश क्षीरसागर ने चारामा स्थित माहौद, तेलखरा एवं महानदी, दूधनदी एवं नाले से रेत उत्खनन करने वाले रेत माफियाओं के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने की घोषणा करते हुए कहा है कि राज्य के खनिज सचिव ने गंभीरता से रेत खनन पर तत्काल रोक लगाने एवं सख्त माफियाओं पर कठोर कार्यवाही करने का निर्देश दिए हैं।



जिलाधीश क्षीरसागर ने रेत माफियाओं को सख्त चेतावनी दी है एवं कहा है कि जिले कि

सभी रेत खदानों पर रेत निकालने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब जो भी अधिकारी कर्मचारी रेत माफियाओं को संरक्षण देता है। उसके विरुद्ध भी सख्त कार्यवाही की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि रेत माफियाओं ने बड़े बड़े डंपर से रेत निकाली कर कांकेर और बालोद जिले की कई डामरीकृत सड़कों का सत्यानाश कर दिया है। समय समय पर ग्रामीण रेत माफियाओं का विरोध करते रहे हैं।

## Delhi-NCR में जानलेवा बनी गर्मी, दिल्ली में 5 तो नोएडा में 14 की मौत!

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को सभी अस्पतालों को एक एडवाइजरी भेजी कि गर्मी की लहर के कारण भर्ती होने वाले सभी लोगों को प्राथमिकता से इलाज दिया जाए। केंद्र ने शहर के अस्पतालों से हीट स्ट्रोक के मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर भर्ती करने को कहा है। पिछले 72 घंटों में दिल्ली में पांच लोगों की मौत हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी सहित पूरा एनसीआर भीषण गर्मी की चपेट में है। तीन अस्पतालों में हीट स्ट्रोक से पीड़ितों की मौत हो गई। 12 या 13 मरीज वॉटलेटर सपोर्ट पर हैं। आरएमएल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शुक्ला के अनुसार, मंगलवार को



हीट स्ट्रोक के कारण 11 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि नोएडा में भी पिछले 24 घंटों में संदिग्ध तू से 14 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। नोएडा के जिला अस्पताल की डॉक्टर रेनु अग्रवाल ने कहा, हालांकि, मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को सभी अस्पतालों को एक एडवाइजरी भेजी कि गर्मी

की लहर के कारण भर्ती होने वाले सभी लोगों को प्राथमिकता से इलाज दिया जाए। केंद्र ने शहर के अस्पतालों से हीट स्ट्रोक के मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर भर्ती करने को कहा है। बुधवार को, सरकारी एलएनजेपी अस्पताल ने पिछले एक सप्ताह में हीट स्ट्रोक के कारण दो मौतों की सूचना दी। एलएनजेपी अस्पताल में फिहालाल नौ मरीज भर्ती हैं। संपूर्ण उत्तर और उत्तर पश्चिम भारत तू की चपेट में है, दिल्ली को तिहरी मार का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि शहर पानी और बिजली की गंभीर कमी से जूझ रहा है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने एक दो दिनों के भीतर जल संकट का समाधान नहीं होने पर 21 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की धमकी दी है।

## स्कूलों में बनाया जाएगा स्मार्ट क्लासरूम:बृजमोहन अग्रवाल

श्रमबिन्दु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में नये शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से पहले शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। जिसमें शिक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए तथा विभिन्न कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में शिक्षकों की भर्ती, वेतन विसंगति, पदोन्नति, नई शालाओं के निर्माण समेत विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर जानकारी ली।

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में शिक्षा के स्तर को विश्व स्तरीय बनाने के लिए हम लगातार कार्य कर रहे हैं राज्य में शिक्षकों के 33 हजार रिक्त पदों पर मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री से स्वीकृति के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू की जायेगी। इसके साथ ही राज्य में वेतन विसंगति और संयुक्त संचालक, उप संचालक, प्राचार्य, व्याख्याता, उच्च वर्ग शिक्षक, प्रधानाध्यापक (माध्यमिक शाला) की पदोन्नति के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया। मंत्री ने इन सारी विसंगतियों को जल्द से जल्द दूर करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी शासकीय और गैर शासकीय स्कूलों में निःशुल्क पाठ्य पुस्तक उपलब्ध कराने के लिए पाठ्य पुस्तक निगम को निर्देश देते हुए कहा कि पुस्तकों को जिला स्तर पर उपलब्ध कराया जाए, वहां से सभी स्कूलों में शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से

## छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में किए जायेंगे महत्वपूर्ण बदलाव, विश्व स्तरीय शिक्षा दिलाने की होगी प्रयास



पहले ही भेज दिया जाए।

उन्होंने प्रदेश के जर्जर होते स्कूलों की बिल्डिंग और नए भवनों के निर्माण के लिए डीएमएफ और सीएसआर मद से कार्य कराने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों के लिए शिक्षा विभाग की अलग से इंजीनियरिंग सेल निर्माण प्रक्रिया को जल्द ही पूर्ण करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिया। साथ ही विश्व स्तरीय शिक्षा मुहैया कराने के लिए सभी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम और ई-क्लास रूम बनाने के निर्देश दिए। साथ ही कक्षा के ज्यादा से ज्यादा स्कूलों का पीएम योजना के तहत अपग्रेडेशन करने के निर्देश दिए हैं।

श्री अग्रवाल ने राज्य के समस्त शासकीय

## मुख्यमंत्री, वित्तमंत्री से स्वीकृति के बाद जल्द शुरू होगी 33 हजार शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया



उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में मैथ्स, साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स संकाय शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अनुदान प्राप्त अशासकीय शालाओं की समय-समय पर परीक्षाएं करने की जानकारी ली। उन्होंने अशासकीय शालाओं में शुल्क वृद्धि, गणवेश, पुस्तक खरीदी एवं आर.टी.ई के तहत प्रवेश में गड़बड़ी न हो इसके लिए जिला स्तर पर कमेटी गठित करने को भी कहा जिसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो और नियम विरुद्ध कार्य करने वाले शालाओं के विरुद्ध कार्यवाही के भी निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर निजी विद्यालयों

को अनुदान देकर विद्यार्थियों को इसमें शिक्षा दिलाने पर जोर दिया। शिक्षा मंत्री श्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक शैक्षणिक सत्र में दो बोर्ड परीक्षाएं आयोजित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही कमजोर बच्चों के लिए जिला स्तर पर कोचिंग केंद्र खोलने की बात कही। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर शुरू करने के भी निर्देश दिए। विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा का सही ज्ञान देने के लिए भाषा एक्सपर्ट की नियुक्ति के साथ ही जिन क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी है उसे तत्काल पूरा करने के लिए अतिथि शिक्षकों की भर्ती के निर्देश दिए हैं।

शिक्षा मंत्री श्री अग्रवाल ने राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए विभाग को शिक्षकों के उचित प्रशिक्षण के लिए निर्देश दिए। साथ ही डाईट केंद्र का पत्र से कायाकल्प किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर दूसरे राज्यों से भी राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों को बुलाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा में समन्वय के लिए एक समिति बनाने को भी कहा है। श्री अग्रवाल ने अधिकारियों से अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047 विजन डॉक्यूमेंट को बड़े पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही न्योता भोज कार्यक्रम की समीक्षा की।

## शत-प्रतिशत श्रमिकों को मिले शासन की योजनाओं का लाभ : श्रम मंत्री देवांगन

श्रमबिन्दु / रायपुर

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा है कि प्रदेश के शत-प्रतिशत श्रमिकों को शासन की योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। श्रमिकों के हित को प्राथमिकता में लेते हुए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए। जिससे श्रमिकों के जीवन स्तर में बेहतर सुधार हो सके। इस आशय के निर्देश श्रम मंत्री श्री देवांगन ने विभागीय काम-काज की समीक्षा बैठक में दिए।

बैठक नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में श्रमायुक्त एवं सह-सचिव श्रीमती अलरमेल मंगई डी, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की सचिव श्रीमती सविता मिश्रा, अपर श्रम आयुक्त श्री एस. एल जांगड़े सहित जिलों से आए श्रम विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। श्रम मंत्री ने औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संचालनालय से जुड़े अधिकारियों को निर्देश



दिए हैं कि अत्याधिक जोखिम तथा जोखिम श्रेणी के कारखानों के निरीक्षण प्रत्येक वर्ष 2 से 3 बार किए जाने तथा निरीक्षण के दौरान स्वीकृत नवशों के अनुरूप कारखाना निर्मित नहीं होने एवं कारखानों में दिए जाने प्रशिक्षण करने संबंध में निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में पूर्ण 6,386 कारखानों हैं जिनमें 922 जोखिम श्रेणी के कारखानों के रूप में चिह्नित किया गया है। श्रम मंत्री ने निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए प्रदेश में निःशुल्क कोचिंग सहायता योजना का अधिक लाभ अधिक लाभ दिलाए जाने के निर्देश दिए। श्रम मंत्री श्री देवांगन ने बैठक में लंबित मामलों का 15 दिवस के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश के कुछ जिलों में श्रमिकों के पंजीयन फर्म को निरस्त कर दिया गया है। श्रमिकों से अन्य जरूरी दस्तावेज लेकर पंजीयन की प्रक्रिया शीघ्र ही पूरी कर ली जावे। अधिकारीगण यह सुनिश्चित करें कि हितग्राही को शासन की योजना का लाभ मिले। दस्तावेज की कमी को आधार बनाते हुए हितग्राही को वापस न लौटाया जाए। श्रमिक बहुल क्षेत्रों में मोबाइल कैम्प लगाकर मजदूरों का पंजीयन करने की प्रक्रिया पूर्ण करें। मजदूर बिना पंजीयन के किसी भी साईट में काम ना करें। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि 15 दिवस के भीतर जिलेवार योजना की समीक्षा की जाए और यदि इसके बाद ही योजना के क्रियान्वयन में प्रगति नहीं आई तो इसके लिए संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

[ खास खबर ]

## नगर निगम जगदलपुर में नई एमआईसी का हुआ गठन

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

महापौर सफ़ीर साहू के भाजपा में शामिल हो जाने के बाद नगर निगम की सत्ता पर अब भाजपा का कब्जा हो गया है। इसी के तहत कांग्रेसी वर्चस्व वाली एमआईसी को भंग कर नई एमआईसी का गठन किया गया है। नई एमआईसी में पार्षद यशवर्धन राव को आवास, पर्यावरण एवं लोक निर्माण विभाग, भारतीय श्रीवास्तव को जल कार्य विभाग, नरसिंह राव को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, निर्मल पाणिग्रही को बाजार विभाग, योगेंद्र पाण्डेय को शिक्षा विभाग, दयावती देवांगन को महिला तथा बाल कल्याण विभाग, श्वेता बघेल को खद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, मानिक राम नाग को पुनर्वास एवं नियोजन विभाग, आलोक अवस्थी को बाजार विभाग तथा नेहा ध्रुव को विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।



## 10 करोड़ का स्टील लेकर नहीं किया भुगतान, धोखाधड़ी का अपराध दर्ज

रायपुर। राजधानी के एक स्टील कारोबारी अनूप अग्रवाल से उधार में 10.17 करोड़ रुपये का स्टील लेकर रकम नहीं देने वाले 5 व्यापारियों के खिलाफ तेलीबांधा थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। तेलीबांधा पुलिस थाना प्रभारी से मिली जानकारी के अनुसार मौलश्री विहार निवासी अनूप अग्रवाल (42) सर्वमंगला इंफ़्राबिल्ड प्रा.लि. के डायरेक्टर हैं। कंपनी का काम स्टील सामग्री की खरीद-बिक्री का है। पिछले साल कुशल डुडेजा नामक व्यक्ति उनसे कार्यालय में मिलने आया। उसने कहा कि आपकी कंपनी से स्टील सामग्री की आपूर्ति करवाकर कम समय में अधिक मुनाफ़ा कमाने का बहुत अच्छा प्रस्ताव है। मेरी मध्यस्थता के लिए मुझे लाभांश देना होगा। जिस पर अनूप ने कुशल को बैठक करने को कहा। इसके बाद कुशल डुडेजा और स्टील कारोबारी राजेश शर्मा, राकेश शर्मा, प्रिंस शर्मा की अनूप के साथ बैठक हुई।

## हनुमान मंदिर में तोड़फोड़ से तनाव

रायपुर। तिल्दा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत बहेसर के बाजार हाट परिसर से थोड़े दूर में हनुमान मंदिर पर असामयिक तत्वों के द्वारा मंदिर के हनुमान जी की मूर्ति को तोड़ कर खंडित कर देने का मामला सामने आया है इसमें ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। ग्रामीणों ने आरोपियों कि जल्द गिरफ्तारी की मांग की है घटना की शिकयत तिल्दा स्खरु और नेवरा थाने में की है शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गाँव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। ग्रामीणों के अनुसार घटना 18 जून को शाम का बताया जा रहा है इस मामले को लेकर बुधवार को गाँव में पूजा कर हनुमान जी की नई मूर्ति को स्थापित किया जायेगा।

## ट्रेलर चोरी करने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

रायगढ़-रायपुर। सड़क किनारे खड़ी ट्रेलर वाहन को चोरी करने वाले आरोपी को पूंजीपथरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से पुलिस ने चोरी हुए ट्रेलर को बरामद कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मिली जानकारी के अनुसार 17 जून को ट्रेलर वाहन सीजी 13 ए.एस. 9155 के ड्राइवर अनुज कुमार यादव ने पूंजीपथरा थाने में शिकायत दर्ज करवाई। जहाँ उसने बताया कि 17 जून को दोपहर डोंगामहड़ा पानर प्लांट में कोयला खाली कर सुबह करीब 8:00 बजे ट्रेलर को सर्विसिंग कराने ओम मोटर गेवानी लेकर आ रहा था। दोपहर करीब 12:00 बजे सिंघल गेट तराईमाल के पास ट्रेलर को सड़क किनारे खड़ी कर वाहन की चाबी गाड़ी में ही छोड़कर दिशा मैदान के लिए गया था। 120-25 मिन्ट बाद आकर देखा तो ट्रेलर नहीं थी।

## बीमारियों से बचाव के लिए सावधानी और सजगता जरूरी: सांसद महेश कश्यप

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

विश्व सिकल सेल दिवस पर श्यामा प्रसाद सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व अतिथि बस्तर सांसद महेश कश्यप थे। कलेक्टर विजय दयाराम के विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि सिकलसेल बीमारी को आमजन सिकलिन के नाम से जानते हैं। हर बीमारी से बचाव के लिए सावधानी और सजगता जरूरी है।

आधुनिक युग में विज्ञान ने बहुत तरकीब कर ली है। वैज्ञानिकों ने सभी बीमारियों की दवाई इजाद कर ली है। बीमारियों से बचाव और दवाइयों के संबंध जागरूकता की कमी से कईयों को जान चली गई, गाँवों में बीमारियों के लिए जागरूकता की कमी से क्षेत्र के ग्रामीण बैना, गुनिया से इलाज करवाते हैं या अज्ञानता से स्वयं गोली खाकर ठीक होने का प्रयास करते हैं, जो सही नहीं है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवा केंद्र के माध्यम से सभी को



निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाई है इसका उपयोग करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों की रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक है। फिर भी आज के समय में जागरूकता की कमी, खानपान, रहन-सहन से भी बीमारी को बढ़ावा मिलता है। सिकलसेल जैसे बीमारी पर नियंत्रण कर क्षेत्र, प्रदेश के विकास में सभी सहभागी बनें। कलेक्टर विजय दयाराम के ने कहा कि जिले में टीबी मुक्त, मोतियाबिंद मुक्त, मलेरिया मुक्त, डेंगू मुक्त अभियान चलाकर कर आमजन को

बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसका लाभ जिले वसियों को हुआ है। इसी प्रकार सिकलसेल के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सकता है। सिकलसेल आनुवंशिक बीमारी है जागरूकता की कमी के कारण बीमारी को बढ़ावा मिला है। बीमारी के बचाव हेतु शादी के पूर्व खून की जांच जरूर करवाएँ। जांच में सिकलसेल के लक्षण मिले तो दवाइयों का सेवन नियमित करें और बीच खून में खून की कमी को जांच करवाएँ। आज विश्व सिकलसेल दिवस में जिले के सातों

## पीड़ितों ने सुनाए अनुभव

कार्यक्रम में सिकल सेल से पीड़ित बच्चे की माता शकीला सिंह ने बताया कि बच्चे की तबीयत खराब होने पर अस्पताल में प्राथमिक जांच के उपरांत सिकलसेल की बीमारी की जानकारी मिली, हम दोनों पालक को छोटा सिकलसेल है। इस बीमारी के प्रति हम दोनों जागरूक नहीं थे। सभी से निवेदन इस बीमारी के प्रति जागरूक हो, शादी के पूर्व जरूर सिकलसेल की जांच करवाएँ। सिकल से पीड़ित बच्चे की माता सोनमती बघेल ने भी अपने अनुभव साझा किए। रेशम विभाग के अधिकारी अनिल

कुमार सोम ने अपने अनुभव साझा करते हुए नियंत्रण के लिए बताया कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर नियमित समय पर भोजन, समय पर दवाईयां का सेवन, कसरत, प्रतिमाह स्वास्थ्य जांच करवाएँ। साथ ही ज्यादा पानी का सेवन करें। कार्यक्रम में अतिथियों ने सिकलसेल काइड का वितरण किया गया परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच के लिए स्टॉल लगाया गया था जिसमें अतिथियों ने भी स्वास्थ्य जांच करवाई। साथ ही सिकलसेल जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किए।

प्रसाद, सहायक आयुक्त श्री सोरो, डीईओ भारतीय प्रधान सहित स्वास्थ्य विभाग, आदिवासी विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

## जानिए सिकलसेल के बारे में

ज्ञात हो हर साल 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में अंतरराष्ट्रीय जागरूकता दिवस मनाया जाता है ताकि वैश्विक जनता को सिकल सेल रोग के बारे में सचेत किया जा सके। भारत में सिकल सेल रोग का बोझ दुनिया

## आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु 2 जुलाई तक आवेदन पत्र आमंत्रित

श्रमबिन्दु / बकावंड

बस्तर जिले के एकीकृत बाल विकास परियोजना बकावंड-1 तथा बकावंड-2 में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आगामी 2 जुलाई तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

एकीकृत बाल विकास परियोजना बकावंड-1 के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र चोलनार आवासपारा, चोलनार खासपारा, चोलनार आमगुड़ा, उडियापाल क्रमांक-1 एवं उडियापाल क्रमांक-2, पाहुरबेल क्रमांक-1, सतलावंड एवं तारापुर क्रमांक-5 में आंगनवाड़ी सहायिका के पद रिक्त हैं। वहीं एकीकृत बाल विकास परियोजना बकावंड-2 के अधीन आंगनवाड़ी केंद्र चारगांव तलपारा एवं छिंदगांव आमगुड़ा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सहायिका सहित आंगनवाड़ी केंद्र बेलपुटी



पाथरियागुड़ा, बेलपुटी गोटीगुड़ा, धनपुर, संवरा क्रमांक-1, सतोषा क्रमांक-3 एवं सरगीगुड़ा में आंगनवाड़ी सहायिका के पद रिक्त हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता नए या पुराने पाठ्यक्रम में हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। वहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या आंगनवाड़ी सहायिका पद हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। आवेदिका की आयु

18 से 44 वर्ष के मध्य होना चाहिए। एक वर्ष या अधिक सेवा अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। आवेदिका को संबंधित ग्राम का निवासी होना अनिवार्य है। अनुभव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। वहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या आंगनवाड़ी सहायिका पद हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। आवेदिका की आयु

अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाएंगे। आवेदिका अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित आश्रम शाला से 8वीं तक अध्ययनरत होने तथा बीपीएल परिवार की सदस्य होने पर पृथक-पृथक अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाएंगे। सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्व-प्रमाणित प्रति के साथ आवेदन पत्र संबंधित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय में निर्धारित अंतिम तिथि 2 जुलाई तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकता है।

इन पदों की पूर्ति संबंधी विस्तृत जानकारी संबंधित ग्राम पंचायतों के सूचना पटल सहित कार्यालय जनपद पंचायत बकावंड, कार्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी बकावंड और कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना बकावंड-एवं बकावंड-2 के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

## भ्रष्टाचार की 'डबरी' में जमकर गोते लगा रहे हैं अधिकारी, सरपंच और पंचायत सचिव

## ग्राम पंचायत टलनार में डबरी निर्माण के नाम पर भ्रष्टाचार का खुला खेल

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

बकावंड। विकासखंड बकावंड में अधिकारियों, सरपंचों और पंचायत सचिवों ने सरकारी योजनाओं और निर्माण कार्यों को कमाई का जरिया बना लिया है। ऐसा कोई भी कार्य या योजना नहीं बची है, जिसमें भ्रष्टाचार न किया गया हो। भ्रष्ट तंत्र सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंचने दे रहा है। योजनाओं की पूरी राशि फर्जी मस्टर रोल भरकर और फर्जी बिल वहावर पेश कर हजम कर ली जाती है।



ऐसे कई मामले अब तक सामने आ चुके हैं। अब टलनार में एक बड़ा मामला उजागर हुआ है जहां कई किसानों के नाम पर डबरी निर्माण के प्रकरण तैयार कर शासन के लाखों रूपए मनरेगा अधिकारी, सरपंच और सचिव ने गटक लिए हैं। इस विकड़ी ने भ्रष्टाचार की डबरी में जमकर गोते लगाए हैं। बकावंड विकासखंड की ग्राम पंचायत टलनार में रोजगार गारंटी योजना के तहत गांव का भूजल स्तर बढ़ाने तथा

वक्त पड़ने पर फसलों की सिंचाई के लिए कई किसानों के खेतों में डबरी का निर्माण कराया जाता है। टलनार ग्राम पंचायत में कई किसानों के नाम पर डबरी निर्माण के बोगस प्रकरण तैयार कर पूरी रकम आहरित कर ली गई है। इसके लिए फर्जी मस्टररोल तैयार किया गया है और नाम भी फर्जी मजदूरों के डाले गए हैं। जिन किसानों के नाम पर डबरी निर्माण के प्रकरण तैयार किए गए

हैं, उनके खेतों या बाड़ी में डबरी निर्माण कराया ही नहीं गया है। तथाकथित फर्जी डबरी निर्माण कार्य को ग्राम पंचायत टलनार के सहायक सचिव लखबंदु, सरपंच और मनरेगा के परियोजना अधिकारी कौस्तुभ वर्मा की सांठगांठ से अंजाम दिया गया है। जिन हितग्राहियों के नाम से डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था, उन हितग्राहियों की जानकारी के बगैर फर्जी तरीके से मस्टर रोल

भरकर पुरानी डबरियों और छोटे तालाब को नई खोदी गई डबरी बताकर राशि गलत तरीके से राशि का भुगतान प्राप्त कर लिया गया है। डबरी निर्माण संजय कुमार के नाम स्वीकृत हुआ था। इस हितग्राही के बिना जानकारी डबरी निर्माण को अंजाम को दिया गया है। सहायक सचिव लखबंदु ने जिन हितग्राहियों के नाम से डबरी निर्माण की स्वीकृति कराई है और राशि निकाल ली है, उन

## मनरेगा पीओ की भूमिका संदिग्ध

डबरी के नाम पर की गई घपलेबाजी में बकावंड विकासखंड के मनरेगा परियोजना अधिकारी कौस्तुभ वर्मा की भी भूमिका संदेह के दायरे में आ गई है। क्योंकि राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत कराए जाने वाले हर कार्य को परियोजना अधिकारी की सहमति से और निगरानी में ही अंजाम दिया जाता है। कार्य का मूल्यांकन भी परियोजना अधिकारी को ही करना होता है। इसके बाद ही स्वीकृत राशि आहरित की जा सकती है। इसका मतलब यही हुआ कि टलनार ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत कराए गए डबरी निर्माण में जो धांधली हुई है, उसमें परियोजना अधिकारी कौस्तुभ वर्मा भी हिस्सेदार हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ डबरियां खेतों से दूर मैदान पर बनाई गई हैं और वह भी काम चलाऊ। ?सी डबरियों की कोई उपयोगिता ही नहीं है।

हितग्राहियों को आन लाईन से जानकारी मिली तो वे आश्चर्य में पड़ गए।

## मोदी के लिए 22 किमी की दंडवत यात्रा का संकल्प पूरा किया युवक हेमंत नेताम ने

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

जगदलपुर। चुनाव के दौरान बीजेपी की जीत और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर बस्तर से जगदलपुर दंतेश्वरी मंदिर तक दंडवत यात्रा का संकल्प लेने वाला हेमंत नेताम आज 22 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर जगदलपुर के दंतेश्वरी मंदिर पहुंचा।

जहां बीजेपी नगर मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पहार पहनाकर और मिठाई खिलाकर हेमंत नेताम का स्वागत किया। इस दौरान बस्तर सांसद महेश कश्यप भी दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे और युवक हेमंत नेताम का स्वागत करते हुए उसे जूस पिलालकर संकल्प पूर्ण करवाया। इससे पहले हेमंत नेताम ने दंतेश्वरी मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर माता दंतेश्वरी के समक्ष अपने संकल्प के पूर्ण होने की घोषणा की। भाजपा नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने नगर मंडल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता के नेतृत्व में हेमंत नेताम का



स्वागत करते हुए उसे भागवा गमछा पहनाया और मिठाई खिलाकर युवक का उत्साहवर्धन किया। नगर

मंडल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर आम जनता बेहद संवेदनशील है।

जनता का विश्वास उन पर बहुत अधिक है जो भाजपा की ताकत है। आज बस्तर जैसे क्षेत्र से हेमंत नेताम ने प्रधानमंत्री के प्रति जो प्रेम और विश्वास जताया है वह अतुलनीय है। वहीं सांसद महेश कश्यप ने भी युवक की प्रशंसा करते हुए कहा कि आम जनता की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के प्रति यह विश्वास भाजपा को जनता के प्रति कायम करने के लिए प्रेरित करता है। युवक हेमंत नेताम का इस गर्मी में इतनी लंबी यात्रा दंडवत करना लोगों में प्रधानमंत्री के प्रति दीवानगी को दर्शाता है।

स्वागत कार्यक्रम में पार्षद दिगम्बर राव, नगर मंडल उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, रितेश, प्रेम यादव सहित नगर मंडल के अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

## मोदी को फिर से प्रधानमंत्री के रूप में देखने लिया था संकल्प

## पीड़ितों ने सुनाए अनुभव

कार्यक्रम में सिकल सेल से पीड़ित बच्चे की माता शकीला सिंह ने बताया कि बच्चे की तबीयत खराब होने पर अस्पताल में प्राथमिक जांच के उपरांत सिकलसेल की बीमारी की जानकारी मिली, हम दोनों पालक को छोटा सिकलसेल है। इस बीमारी के प्रति हम दोनों जागरूक नहीं थे। सभी से निवेदन इस बीमारी के प्रति जागरूक हो, शादी के पूर्व जरूर सिकलसेल की जांच करवाएँ। सिकल से पीड़ित बच्चे की माता सोनमती बघेल ने भी अपने अनुभव साझा किए। रेशम विभाग के अधिकारी अनिल

कुमार सोम ने अपने अनुभव साझा करते हुए नियंत्रण के लिए बताया कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर नियमित समय पर भोजन, समय पर दवाईयां का सेवन, कसरत, प्रतिमाह स्वास्थ्य जांच करवाएँ। साथ ही ज्यादा पानी का सेवन करें। कार्यक्रम में अतिथियों ने सिकलसेल काइड का वितरण किया गया परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच के लिए स्टॉल लगाया गया था जिसमें अतिथियों ने भी स्वास्थ्य जांच करवाई। साथ ही सिकलसेल जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किए।

प्रसाद, सहायक आयुक्त श्री सोरो, डीईओ भारतीय प्रधान सहित स्वास्थ्य विभाग, आदिवासी विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

## जानिए सिकलसेल के बारे में

ज्ञात हो हर साल 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में अंतरराष्ट्रीय जागरूकता दिवस मनाया जाता है ताकि वैश्विक जनता को सिकल सेल रोग के बारे में सचेत किया जा सके। भारत में सिकल सेल रोग का बोझ दुनिया

में दूसरे नंबर पर है। हीमोग्लोबिन हमारे शरीर में सभी कोशिकाओं तक पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है, लेकिन सिकलसेल रोग में यह काम बाधित हो जाता है। पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाले इस रोग में गोलाकार लाल रक्त कण (हीमोग्लोबिन) हंसियों के रूप में परिवर्तित होकर नुकीले और कड़े हो जाते हैं। ये रक्त कण शरीर की छोटी रक्त वाहिनी (शिराओं) में फंसकर लिवर, तिल्ली, किडनी, मस्तिष्क आदि अंगों के रक्त प्रवाह को बाधित कर देते हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा			
निविदा आमंत्रण सूचना			
क्रमांक-	2906 /NIT-1/2024-2025/ व ले लि	दिनांक :	14/06/2024
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:- 25/06/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक			
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि:- 29/06/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक			
निविदा खोलने की तिथि :- 01/07/2024 पूर्वाह्न 11.30 बजे तक			
एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि(रु.में)	
1	2	3	
1 T0002	जिला न्यायालय भवन परिसर बेमेतरा में महिलाओं एवं दिव्यांगों हेतु टॉयलेट निर्माण कार्य	4.54 3405.00	
1 T0003	व्यवहार न्यायालय भवन परिसर साजा में महिलाओं एवं दिव्यांगों हेतु टॉयलेट निर्माण कार्य	4.54 3405.00	
1 T0004	बेमेतरा उपसंभाग के अंतर्गत रेस्ट हाउस, सफ्टि हाउस, बेमेतरा शहरी भाग के मार्ग के डिवाइडर, सूर्य नमस्कार एवं भारत माता चौक में गार्डनिंग रखरखाव का कार्य	5.00 3750.00	
निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।			
कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा			
जी- 242500386/1			

## स्वास खबर

6 सूत्रीय मांगों को लेकर शहीद परिवार का धरना आज से

रायपुर। शहीद परिवार आज से बूढ़ा तालाब धरना स्थल पर आज से हड़ताल पर बैठने जा रहे हैं। शहीद जवानों के सम्मान के लिए प्रदेशभर के शहीद परिवार यह हड़ताल कर रहे हैं। शहीद परिवार संघ के अध्यक्ष शंभू राम साहू ने बताया कि लगातार मांग करने के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है, इसलिए हड़ताल कर रहे हैं। 6 सूत्रीय मांगों को लेकर आज से हम हड़ताल करेंगे। राज्य में संचालित शासकीय शैक्षणिक संस्थानों में शहीदों के बच्चों के लिए सीट आरक्षण एवं निःशुल्क स्नातक तक शिक्षा दी जाए।

उन्होंने बताया कि पुलिस भर्ती में आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक तक एवं अन्य शासकीय पदों पर शहीदों के बच्चों के लिए सीट आरक्षित किया जाए। नक्सल घटना में शहीद हुए जवान के आश्रितों को जो पेंशन से वंचित हैं, जैसे सहायक आरक्षक, आरक्षक, ब्रह्म, गोपनीय सैनिक वर्ग के शहीदों के परिजन को पेंशन दी जाए।

शहीद जवान के पैतृक गांव में स्मृति चिन्ह के रूप में शहीद स्मारक बनाया जाए। शहीद परिवारों को आवास योजना के अंतर्गत आवास दिया जाए। इसके अलावा शहीद परिवार के कल्याण के लिए आयोग का गठन किया जाए।

रामेश्वर शर्मा की पुस्तक छत्तीसगढ़ी काव्य एक विहंगम दृष्टि का हुआ विमोचन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ साहित्यकार, गीतकार, राजधानी रायपुर निवासी रामेश्वर शर्मा की गोलडन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित पुस्तक 'छत्तीसगढ़ी काव्य एक विहंगम दृष्टि' के दूसरे संस्करण का विमोचन हाल ही में वृंदावन सभागृह रायपुर में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ गीतकार रामेश्वर वैष्णव उपस्थित थे। अध्यक्षता भाषाविद डॉ. चित्तरंजन कर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अरुण निगम संस्थापक छंद के छ, बलदाऊ राम साहू बाल साहित्यकार, और प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. राजन यादव विभागाध्यक्ष हिन्दी इंस्टीट्यूट कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ मंच पर विराजमान थे।

पत्रकार और दूरदर्शन एंकर शशांक खरे के संचालन में कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के करकमलों से रामेश्वर शर्मा जी की गोलडन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित कृति 'छत्तीसगढ़ी काव्य एक विहंगम दृष्टि' का विमोचन किया गया। इसके बाद अतिथियों ने कृति के संदर्भ में अपने-अपने विचार व्यक्त किए। विदित हो कि यह पुस्तक का दूसरा संस्करण है। प्रथम संस्करण 2022 में अभिव्यक्ति प्रकाशन नई दिल्ली से प्रकाशित हुआ था।

जिला ओलंपिक संघ की हुई बैठक, 23 को विश्व ओलंपिक दिवस के अवसर पर होगी बैठक

जांजगीर। जिला ओलंपिक संघ जांजगीर चाम्पा का आवश्यक बैठक 17 जून को नेताजी चौक स्थित सुल्तानिया चेम्बर में सम्पन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से आगामी 23 जून को विश्व ओलंपिक दिवस के अवसर पर नेताजी सुभाष चन्द्र चौक जांजगीर से केरा रोड हाँकी चर्च मैदान तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रथम स्थान से दसवीं स्थान अर्जित करने वाले महिला/पुरुष धावकों को प्रमाण पत्र एवं स्पेशल गिफ्ट प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा, साथ ही सभी खेलों के वरिष्ठ एवं वर्तमान में उत्कृष्ट सेवा करने वाले कोच एवं खिलाड़ियों का भी सम्मान किया जाएगा, बैठक में प्रमुख रूप से युवा समाजसेवी कार्यकारिणी अध्यक्ष जिला ओलंपिक संघ अमर सुल्तानिया, संयोजक गोपेश्वर कचह, अध्यक्ष हितेश यादव, सचिव जितेंद्र तिवारी, राम कुमार सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारि एवं कोच उपस्थित थे।

# नया भारत इस बार नया इतिहास रचेगा : संतोष पांडे

उत्साहित कार्यकर्ताओं के बीच विजय जुलूस का आम जनता ने स्वागत किया

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद संतोष पांडे आज राजनांदगांव विधानसभा से मिली ऐतिहासिक जीत पर आभार प्रकट करने हेतु बालाजी मंदिर पुराने गंज के पास से विशाल आभार रैली निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में युवा, महिला व आम नागरिक उपस्थित थे। रैली में गाजे बाजे एवं डीजे की धुन के साथ थिरकते हुए युवाओं ने जोरदार नारेबाजी की। स्थान- स्थान पर रैली का भव्य स्वागत हुआ, लोग छत्तो एवं छर्रजों पर खड़े होकर सांसद संतोष पांडे के विनम्रता पूर्वक किंग एवम् अभिवादन के प्रतिउत्तर में फूल बरसा रहे थे। चौक चौराहों पर जोरदार आतिशबाजी भी लोगों का आकर्षण का केंद्र बनी।

पुराने गंज चौक में हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना के पश्चात जब रैली गंज चौक, भारत माता चौक, हलवाई लाइन, आजाद चौक से सिनेमा लाइन पहुंची तो बारिश के रूप में इंद्र देवता ने भी



रैली को आशीर्वाद दिया। भारी बारिश के बावजूद रैली रुकी नहीं और संतोष पांडे, अभिषेक सिंह एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता भीगते हुए गंतव्य की ओर बढ़े। आभार रैली अपने निर्धारित स्थल गुरुद्वारे के पास पहुंच कर सभा के रूप में परिवर्तित हो गई।

भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सभा को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडे ने कहा कि

आज का नया भारत अबकी बार नया इतिहास रचने जा रहा है, भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में लगातार केंद्र में तीसरी बार गैर कांग्रेसी सरकार सत्ताारूढ़ हुई है, जिसके कारण कई प्रकार के विघ्नसंतोषी तत्वों के पेट में मरोड़ हो रहा है, भारत की प्रगति सारी दुनिया देख रही है, हम विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था में शामिल हुए हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे पड़ोसी देशों की हालत बद

से बदतर हो गई है। आज देश में सड़कों का जाल बिछ रहा है, रेलवे की नई परियोजनाओं का कार्य तेज गति से चल रहा है, जल जीवन मिशन के तहत गांव-गांव में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जा रही है, केंद्र में नहीं सरकार बनते ही जहां किसानों को सम्मान निधि का भुगतान कर अपनी प्राथमिकता मांदा जी ने बता दी है, वहीं गरीबों के करोड़ों की संख्या में मकान बनकर

भारत के नवनिर्माण का संकल्प भाजपा ने लिया है। सभा में आभार व्यक्त करते हुए लोकसभा चुनाव संयोजक मधुसूदन यादव ने कहा कि विगत 5 वर्षों में भूपेश बघेल द्वारा राजनांदगांव से किए गए पक्षपात पूर्ण निर्णय से राजनांदगांव की जनता आक्रोशित थी, इसलिए राजनांदगांव ने उन्हें 57000 वोटों से पराजित कर वापस पाटन भेजा है, जिसके कारण आज कार्यकर्ता भारी बारिश में उत्साहित होकर भाजपा की जीत की खुशियां मना रहे हैं, उन्होंने सभी उपस्थित जनता एवं कार्यकर्ताओं के साथ पत्रकार बंधुओं एवं चुनाव में प्रत्याक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अभिवादन वाहन में सांसद श्री पाण्डेय के साथ जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, मधुसूदन यादव, अशोक शर्मा, खूबचंद पारख, सुरेश एच लाल, भरत वर्मा, कोमल जंघेल सहित अन्य बड़े नेता वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

ग्रामीणों की समस्याएं सुनने किलेपाल पहुंचे सांसद महेश कश्यप और विधायक विनायक गोयल



श्रमबिन्दु / जमदलपुर

बस्तर के सांसद महेश कश्यप और चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनायक गोयल ने बास्तानार ब्लॉक के गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।

कार्यक्रम के तहत 19 जून को बास्तानार ब्लॉक के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के साथ ही सांसद कश्यप और विधायक गोयल ने अनेक सौगातें भी दीं। बास्तानार ब्लॉक के बड़े किलेपाल नंबर 3 में एक नया पानी टैंकर, देवुडुआ और सामुदायिक भवन की सौगात दी। वहीं ग्राम पंचायत पिरमेटा में बाउंड्री वॉल व कोरंगाली पंचायत

में आरसीसी पुलिया निर्माण की सौगात दी। समस्याओं को सुनते हुए सांसद विधायक एक स्वर में बोले मोदी हैं तो मुमकिन है। सभी समस्याओं का हल होगा। देश और प्रदेश में हमारी सरकार है। भाजपा काम के नाम से जानी जाती है। हम लोग समस्याएं सुन कर जा रहे हैं। एक एक कर हर समस्या का निराकरण करेंगे। पहली बार नए विधायक सांसद को अपने बीच पाकर क्षेत्र की जनता में खुशी देखते ही बन रही थी। कार्यक्रम में मंडल भाजपा अध्यक्ष नारायण ठाकुर, बालू नारायण, कमल ठाकुर, मंतूराम कश्यप एवं सभी पंचायतों के सरपंच, पंच, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

विधायक, कलेक्टर एवं एसपी की उपस्थिति में सिकल सेल की स्त्रीनिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न



श्रमबिन्दु / बेमेतरा

जिला चिकित्सालय परिसर स्थित स्व. चेतन सिंह वर्मा 100 बिस्तर मातृ एवं शिशु अस्पताल में स्थानीय विधायक दीपेश साहू, कलेक्टर रणवीर शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू की उपस्थिति में जिला स्वास्थ्य समिति, महिला एवं बाल विकास और आदिवासी विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विश्व सिकल सेल की स्त्रीनिंग एवं जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर लोगों को सिकल सेल रोग के लक्षण, प्रसार, आहार प्रबंधन, क्या करें-क्या न करें से संबंधित पापुलेट वितरित किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री दीपेश साहू, कलेक्टर श्री शर्मा द्वारा भी सिकल सेल जांच करवाया जो की नेगेटिव निकला इसके साथ साथ सभी जनप्रतिनिधि, आये हुये नागरिक और अधिकारियों कर्मचारियों ने भी अपना अपना टेस्ट करवाया। कार्यक्रम के अंत में विधायक श्री दीपेश साहू, कलेक्टर श्री रणवीर एवं पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने सिकल सेल रोग के पहचान, निदान एवं रोकथाम के लिए जन जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर जिला चिकित्सालय

परिसर से रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल, अपर कलेक्टर डा.अनिल वाजपेयी सीएमएचओ सी.एस.चुरेंद्र, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बसोड, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, लता बंजारे, सहित जिला स्तर के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विधायक श्री दीपेश साहू ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सिकल सेल बीमारी की गंभीरता से लेते हुए शतप्रतिशत जांच कराने के लिए क्षेत्र वासियों को संबोधित करते हुए अपील किया गया इसके साथ ही विकासखण्ड बेमेतरा एवं बेरला में सिकल सेल की धनात्मक मरीजों की संख्या पर चिंता व्यक्त किया गया।

इसके साथ ही मंच पर उपस्थित सामाजिक वरिष्ठ नागरिक को अपने समाज में भी सिकल सेल जांच संबंधित प्रचार प्रसार करने एवं शतप्रतिशत सिकल सेल जांच कराने की पहल करने की सलाह दी गई। सिकल सेल रोग के लक्षण, जांच एवं उपचार के लिए भारत सरकार के निर्देशानुसार सिकल सेल दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पूरे देश को सिकल सेल की स्त्रीनिंग एवं जागरूक करने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़कर लोगों से चर्चा किए।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव की विभागीय कार्यों की बैठक सभी प्रगतिरत कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए निर्देश

श्रमबिन्दु / धमतरी

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करने के लिए जिला पंचायत सभाकक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जनपद पंचायत मगरलोड के ग्राम पंचायत भेण्डरी, हसदा, खिसोरा, बेलौदी, करेलीबड़ी, भोथीडीह, बोरसी, डाभा, नवागांव (धौ.), सांकरा का 16 पंजियों के संधारण के लिए ग्राम पंचायत सचिवों को प्रशिक्षण देने के निर्देश सीईओ जनपद पंचायत को दिए। साथ ही करारोपण अधिकारी की बैठक रखकर लेखा से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा कर लेखा दल का गठन करने कहा है। इसके लिए मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित करने के निर्देश दिये उन्होंने 15वें वित्त के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए वित्तीय वर्ष

2023-24 के सभी अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिये। इसके साथ ही जिला पंचायत विकास निधि के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को पूर्ण कराते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र सहित अपलोड कराने तथा प्रगतिरत कार्यों को पूर्ण कराते हुए संबंधित दस्तावेज के साथ जिला कार्यालय को प्रेषित करना सुनिश्चित करने कहा। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य शिक्षा मद एवं अति लघु मरम्मत अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी प्रगतिरत कार्यों को 15 दिवस के भीतर पूर्ण करने तथा अति लघुत्तम कार्यों का प्रतिदिवस का प्रगति रिपोर्ट जिला कार्यालय को प्रेषित करने सर्व जनपद सीईओ को निर्देशित किये।स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजना के तहत

88 कचरा संग्रहण शेंड का निर्माण किया गया है। शेष कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने बैठक में निर्देश दिए गए। सभी ग्राम पंचायतों में ग्रीन आर्मी की महिलाओं द्वारा सप्ताह में एक बार कचरा कलेक्शन कराने, जहां-जहां ट्राइसिकल है वहां शत प्रतिशत कचरा संग्रहण का कार्य जरूर कराने तथा ग्राम संगठन और स्वसाहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से स्वच्छता शुल्क एवं जल कर की राशि वसूली करने कहा। साथ ही सामुदायिक शौचालय को क्रियाशील बनाने के लिए पानी एवं बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 92 हजार 388 आवासों में से 38 हजार 403 आवास पूर्ण हो चुके हैं शेष 1358 आवासों को 30 जून तक पूर्ण करने हेतु निर्देश दिए एवं ऐसे हितग्राही जो अब तक आवास निर्माण प्रारंभ नहीं कर पाये

हैं के विरुद्ध वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा। प्रधानमंत्री जनमन योजनांतर्गत 734 स्वीकृत आवासों में 102 आवास पूर्ण हो चुके हैं शेष 632 आवासों को बारिश के पूर्व छत ढलाई करने के निर्देश दिये। कार्यों में प्रगति लाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत अधिनस्थ अधिकारियों को मैदानी स्तर पर भ्रमण करने कहा। आगामी लक्ष्य की तैयारी हेतु सचिवों द्वारा प्रस्तावित स्थल चयन करने एवं एक सप्ताह के भीतर दस्तावेज संकलन करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए। महामाया गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत नियोजित 3 लाख 69 हजार 206 श्रमिकों के विरुद्ध 3 लाख 66 हजार 265 श्रमिकों को आधार सीडिंग पूर्ण करा है, शेष 2941 का शत प्रतिशत आधार सीडिंग करते हुए आधार वेस भुगतान करने के निर्देश सीईओ जनपद पंचायत को दिए गए।

रामानुजगंज नगर पंचायत क्षेत्र का मामला

बरसात का मौसम आ गया, जाम नालियां फिर मचाएंगी कोहराम, पर नहीं दूर रही सीएमओ एवं अध्यक्ष की नींद

श्रमबिन्दु/रामानुजगंज

कहने को तो रामानुजगंज मुख्यालय की तमाम व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी नगर पंचायत पर है। और नगर पंचायत को उसके कर्तव्य का एहसास करने की जवाब देही अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज के एसडीएम की है। अगर ये सभी जिम्मेदार सोते रह जाएं, तो रामानुजगंज के नागरिकों का भगवान ही मालिक है। रामानुजगंज नगर पंचायत के सीएमओ एवं अध्यक्ष की लापरवाही का खासियामा लगता है यहां के नागरिकों को इस साल के मानसून के दौरान भी भुगतना पड़ेगा। लेकिन इस बार प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होने के बाद कुछ पार्षद एवं नगर



के सम्भ्रांत नागरिक जाग उठे हैं और रामानुजगंज नगर पंचायत के कार्य प्रणाली के बारे में लिखित शिकायत नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव को भेजा गया है। वहीं नगर पंचायत क्षेत्र में नागरिकों की सुविधा के लिए जो निकास नालियां बनवाई गई हैं, वे यहां के नागरिकों के लिए परेशानी का

सबब बन गई है। नालियों का निर्माण बेतरतीब ढंग से कराया गया है। नतीजतन पानी का बहाव नहीं हो पाता। वहीं कचरा कूड़े ने नालियों को जाम कर रखा है। वहीं नालियों की सफाई सही ढंग से नहीं कराई जाती और थोड़ी सी बारिश होने पर नालियों का दम निकल जाता है और सारी गंदगी

तथा गंदा पानी आसपास के घरों के समाने लग जाता है। बरसात के मौसम में तो हालत और भी बद से बतर हो जाती है। पूरी सड़कें नदी का रूप ले लेती हैं और घर झील में तब्दील हो जाते हैं। और कुछ बाड़ों में नालियों से लगे हुए कमजोर घरों में इस कदर पानी भर जाता है कि अंदर रखे कपड़े लेंते, सहित सारे सामान भीग जाते हैं।बरसात के मौसम में उनका क्या होगा क्योंकि अब मानसून आने वाला है और नालियों की साफ सफाई अभी तक नहीं कराई गई है। बंद नालियों के कारण घरों और दुकानों में पानी घुस जाता है लेकिन यहां के सीएमओ एवं अध्यक्ष की लापरवाही के कारण नागरिकों को हानि हो सकती है।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने विभागवार योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से की समीक्षा

जनहित के कार्यों को गंभीरता से लेते हुए आम जनो को राहत पहुंचाने के लिए निर्देश

श्रमबिन्दु / कोरबा

कलेक्टर अजीत वसंत ने आज साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में विभागवार योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रगति, एवं जनहित के महत्वपूर्ण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आम नागरिकों से जुड़े कार्यों व समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्हें राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी कोरबा अरविंद पीएम, जिला पंचायत सीईओ संवित मिश्रा, निगम आयुक्त प्रतिभा ममगाई, अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, समस्त एसडीएम सहित सभी विभागों में अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने जिले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस व शाला प्रवेश उत्सव की तैयारी, खाद बीज वितरण, पीएम जनमन योजना सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं, निर्माण कार्यों,

अभिलेख शुद्धता, नक्शा बटांकन, आदि राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए टीएल के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अविवादित बंटवारा, नामांतरण एवं सीमांकन के प्रकरण अनावश्यक लंबित नहीं होने चाहिए। कलेक्टर श्री वसंत ने विभागीय कार्यों के क्रियान्वयन और अन्य गतिविधियों पर चर्चा करते हुए सभी एसडीएम सहित अधिकारियों को फ़ैलड पर जाकर विभागीय कार्यों तथा निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी जमीनी स्तर से प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिक्रमण पर विशेष नजर रखने एवं जिले में ग्रामीण, शहरी इलाकों में हाल ही में किए गए शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को शीघ्र हटाने हेतु निर्देशित किया। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने योग

दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले योग शिविर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी विभाग प्रमुखों को शिविर में हिस्सा लेने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी-कर्मचारी 21 जून को निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर योग शिविर में भाग लें। साथ ही आम जनो को सहभागिता के लिए जन जागरूकता लाने हेतु कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शाला प्रवेशोत्सव 2024 उत्साह के साथ शाला स्तर से लेकर जिला स्तर तक आयोजित करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। उन्होंने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव के तहत विद्यालयों की साफ-सफाई, शाला प्रवेशोत्सव हेतु नव प्रवेशी छात्रों की जानकारी तैयार करने, उन्हें निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, गणवेश वितरण सहित अन्य तैयारियां जिला व विकासखण्ड स्तर पर पूर्ण कर लिया जाए। साथ ही आंगनबाड़ी से निकलने वाले

सभी बच्चों का स्कूलों में दाखिला कराने की बात कही। कलेक्टर ने जिले में खाद-बीज भंडारण की समीक्षा करते हुए सभी समितियों में उन्नत किस्म की रासायनिक खाद एवं बीज का भंडारण कराने के निर्देश दिए। जिससे किसान समितियों के माध्यम से आवश्यकतानुसार खाद बीज समय पर प्राप्त कर सकें। पीएम जनमन योजना के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए उन्होंने अधिकारियों को पीव्हीटीजी समुदाय को शत प्रतिशत योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करने की बात कहा।

कलेक्टर ने पीव्हीटीजी वर्ग के वंचित हितग्राहियों को चिन्हांकित कर उनका आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, वन अधिकार पट्टा, पीएम किसान सम्मान निधि, जन धन खाता, जैसे अन्य योजनाओं का प्राथमिकता से लाभ दिलाने के निर्देश दिए। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में कोई भी भवनविहीन स्कूल और

आंगनबाड़ी केंद्र न हो। इस संबंध में आवश्यकतानुसार डीएमएफ अंतर्गत प्रशासकीय स्वीकृति जारी करने के निर्देश भी दिए। एकल शिक्षकीय एवं शिक्षक विहीन शालाओं में नए शैक्षणिक सत्र से शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही।

इस हेतु स्कूलों में रिक्त शिक्षकों के पदों पर अतिथि व्याख्याता व अतिथि शिक्षकों की भर्ती शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। उन्होंने कहा कि उच्चतर विद्यालयों में विशिष्ट विषयों के पदों पर किसी शिक्षकों की कमी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार के शिक्षित बेरोजगारों को शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों में रिक्र भेजे जाने के निर्देश देते हुए आदिवासी विभाग से समन्वय बनाकर पीव्हीटीजी वर्ग के युवाओं को योग्यता अनुसार नियुक्ति देने की बात कही।

# नयी सरकार के समक्ष ज्वलंत सुरक्षा चुनौतियां



संपादकीय...

**इसके अलावा सैन्य सुधारों को लागू करना, इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड का गठन, हथियारों के आयात में कमी करना, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाना, पाकिस्तान व चीन सीमा पर बने तनाव से निपटने के रास्ते निकालने की जिम्मेदारी के साथ ही रक्षा बजट अधिक करवाना है।**

नवगठित एनडीए सरकार में राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्री बनाया गया है। वे पिछली सरकार में भी रक्षा मंत्रालय का कामकाज देख रहे थे। रक्षा मंत्री के तौर पर दूसरे कार्यकाल में राजनाथ सिंह के लिए अग्निपथ योजना की समीक्षा करके उसे आकर्षक बनाने का काम अत्यंत सामयिक एवं ज्वलंत है। इसके अलावा सैन्य सुधारों को लागू करना, इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड का गठन, हथियारों के आयात में कमी करना, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाना, पाकिस्तान व चीन सीमा पर बने तनाव से निपटने के रास्ते निकालने की जिम्मेदारी के साथ ही रक्षा बजट अधिक करवाना है।

अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने को लेकर युवाओं ने शुरुआत से ही नाराजगी जाहिर कर दी थी। यह बात अलग है कि बाद में नवयुवक इस योजना में भर्ती होने लग गए थे। सेवानिवृत्त सैनिकों ने इस योजना का विरोध करते हुए सवाल उठाए थे। इसके अलावा कुछ विपक्षी दलों ने अग्निपथ योजना का मुद्दा जोर-शोर से

उठाया। उल्लेखनीय है कि इस योजना में युवाओं को चार साल के लिए भर्ती किया जाता है। इस योजना के 25 प्रतिशत जवानों को ही स्थाई होने का अवसर मिलेगा। शेष जवानों को अन्य क्षेत्रों में रोजगार तलाशना पड़ेगा। स्थाई सैनिकों की तुलना में इन्हें केवल 30 दिन की छुट्टी मिलती है। अब इस योजना में सुधार को लेकर सेना के भीतर से ही कुछ सुझाव मिले हैं। इसलिए इसकी समीक्षा किए जाने की बात चल रही है। रक्षा मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि अग्निपथ योजना में यदि बदलाव की आवश्यकता हुई तो वे करने को तैयार हैं।

सैनिक सुधार करना सरकार के एजेंडे में शामिल है। सैन्य सुधारों में सबसे प्रमुख सेना के तीनों अंगों थल सेना, वायु सेना एवं नौसेना को मिलाकर एकीकृत थिएटर कमांड का गठन करना है। इसमें नए सेनाध्यक्ष की

भूमिका प्रमुख होगी। विदित हो कि मोदी सरकार के नेतृत्व में वर्ष 2019 में थिएटर कमांड बनाए जाने का निर्णय हुआ था। उसी समय जनरल बिपिन रावत को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बनाया गया था। इस योजना का उद्देश्य छोटी-बड़ी लड़ाइयों के समय अपने निश्चित सामरिक लक्ष्यों के साथ विशिष्ट शत्रु आधारित थिएटरों में संयुक्त अभियानों के लिए थल सेना, वायु सेना एवं नौसेना को एकीकृत करना है। भारतीय सशस्त्र बल थिएटर कमांड के गठन की तैयारियों को पूरा करने में लगे हुए हैं। वर्ष 2019 से अब तक की अवधि में निचले स्तर पर सेवाओं को एकीकृत करने के कुछ प्रयास किए गए हैं। बीते पांच वर्षों में थिएटर कमांड के लिए उत्तम संभव मॉडल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अनेक मसौदे तैयार किए गए। अब सरकार गठन के बाद इस पर विचार किए जाने की

उम्मीद है। मार्च, 2024 में स्वीडन स्थित स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) यानी सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत संसार के शीर्ष हथियार आयातक देशों में शामिल है। यह संस्था दुनियाभर में हथियारों की खरीद-फरोख्त पर नजर रखती है और प्रतिवर्ष अपनी रिपोर्ट जारी करती है। सिपरी की रिपोर्ट में बताया कि भारत ने 2019 से 2023 तक पांच वर्षों में दुनिया से 9.8 फीसदी हथियार आयात किए। आवश्यक है कि हथियारों के मामले में दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता कम की जाए। यह कार्य कैसे किया जाए इससे रक्षा मंत्री को निपटना होगा।

बीते दो दशकों से मोदी सरकार ने मेक इन इंडिया पर जोर दिया है। इसी अभियान के तहत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा दिया

## दो के लिए शहर को सजा नहीं दे सकते

नितिनमोहन शर्मा

बरसो बाद इंदौर को महसूस हुआ कि उसकी आवाज भी हैं। ये शहर, अपनी आवाज बनने के लिए जिन्हें चुना आया, वे सब बीते कई सालों से मुकबधिर हो चले थे। जनहित से जुड़ा बड़ा से बड़ा मुद्दा हो जाये लेकिन मजाल है कि सत्तारूढ़ दल का कोई बड़ा नेता मुंह खोल दे। बीच शहर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट हो या फिर शहर को शर्मसार करने वाला नाईट लाइफ का जबरिया फैसला... चुने हुए नेताओं ने सब फिर झुकाकर मंजूर कर लिया। शहर के नेतृत्व को मुकबधिरता है कि जाने का नाम ही नहीं ले रही। हालिया मामला शहर के फार्म हाउस पर बढ़ती डूंग वाली रेव पार्टियों का है। एक भी नेता की आवाज सुनी आपने? लेकिन सोमवार को शहर में एक आवाज गुंजी, शहरहित में कि मेट्रो के लिए इंदौर को सजा नहीं देने देंगे। ये आवाज सत्ता के गलियारों से अब तक दूर थी। जैसे ही वह सत्ता के केंद्र में आई, जैसे इंदौर व इंदोरियो की आवाज लौट आई। कल इसी आवाज ने मेट्रो के उस भूत को फिर से झाड़ू पर टांग दिया जो शहर की जीवन रेखा एमजी रोड पर साल-दो साल से मंडरा रहा था। मेट्रो का ये भूत उत्तरा प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री व पीवर इंदौर की नेता कैलाश विजयवर्गीय ने हूँ।

सालो साल बाद शहर के हितों को लेकर इस तरह का नेतृत्व नजर आया, जिसने इंदौर की चिंता की। अन्यथा शहर अब इस बात का आदि हो चला था कि जो भी भोपाल तय कर दे, अफसर मंजूर कर ले, वो ही सही। इंदौर को बस मुकदशक बनकर देखते रहना है। यहां का नेतृत्व मुक बधिर बना हुआ आमजन के साथ मुकदशक बना बैठा रहने का आदि हो चला। जनता जरूर विरोध में आवाज मुखर करती रही लेकिन उनकी सुनवाई भी कहा हुई? ये मेट्रो को लेकर सोमवार को जो बातें हुई, वह तो मेट्रो की आमद के साथ ही शहर की फिजाओं में गुंज रही थी। लेकिन सुनवाई कहा हुई? अफसरों ने भोपाल के इशारे पर जो तय कर दिया, उसे अमलीजामा पहनाने की ज़िद ये शहर देख ही रहा था। मेट्रो में भी यही हुआ। जनता चीखती रही कि मेट्रो का रूट जरा सोच समझकर तय करें लेकिन ट्रायल रन पर आमदा अफसर बिरादरी के कान पर जू तक न रंगी। लेकिन निज़ाम बदला, नेतृत्व बदला तो शहर की आवाज बुलंद हुई। ये कर दिखाया शहर के ही नेता और प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने। उन्होंने मेट्रो के मामले में शहर की चिंताओं में अपना स्वर शामिल किया और एक पालक की तरह मेट्रो को लेकर इंदौर की चिंताओं को हर लिया। विजयवर्गीय ने मेट्रो को लेकर दो टुक कहा कि मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए इंदौर को सजा नहीं दे सकते। मेट्रो में देरी चलेगी, करोड़ों का नुकसान मंजूर है लेकिन शहर का अहित नहीं होने देंगे। विजयवर्गीय की इस खरी खरी ने उन सभी पक्षों को राहत दी जो मेट्रो के बीच शहर से गुजरने के विरोध में थे। इसमें एमजी रोड के रहवासी-व्यापारियों के साथ जन संगठन व जनप्रतिनिधि भी शामिल है। राहत की सांस पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने भी ली। वे शहर की ऐसी पहली जनप्रतिनिधि रही जिन्होंने मेट्रो के बीच शहर से गुजरने पर आपत्ति दर्ज करवाई थी।

**अगला सवाल यह भी उठता है कि एनटीए द्वारा किस आधार पर ग्रेस मार्क्स दिए गए? जबकि मेडिकल परीक्षाओं में ग्रेस मार्क्स देने का कोई प्रावधान नहीं है। एनटीए ने ग्रेस मार्क्स देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के 2018 के एक आदेश का संज्ञान लिया है, जिसके अनुसार यदि प्रशासनिक लापरवाही के कारण परीक्षार्थी का समय खराब हो तो किन विद्यार्थियों को किन परिस्थितियों में कितने ग्रेस मार्क्स दिए जा सकते हैं।**

### विनीत नारायण

जब भी कभी हम किसी प्रतियोगी परीक्षा के पेपर लीक होने की खबर सुनते हैं, तो सबसे मन में व्यवस्था को लेकर काफी सवाल उठते हैं। इससे पूरी व्यवस्था में फैले हुए भारी भ्रष्टाचार का प्रमाण मिलता है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी खबरें कुछ ज्यादा ही आने लगी हैं। सोचने वाली बात है कि इससे देश के युवाओं पर क्या असर पड़ेगा? महीनों तक परीक्षा के लिए मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के मन में इस बात का डर बना रहेगा कि रसूखदार परिवारों के बच्चे पैसे के बल पर उनकी मेहनत पर पानी फेर देंगे? मध्य प्रदेश में हुए व्यापम घोटाले के बाद अब एक बार फिर मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए 'नीट परीक्षा' में हुए घोटाले पर जो बवाल मचा है, उससे तो यही लगता है कि चंद भ्रष्ट लोगों ने लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है।

साल 2016 में पहली बार मेडिकल एंट्रेंस के लिए 'नेशनल एंट्रेंस कम एलिजिबिलिटी टेस्ट' यानी नीट की शुरुआत हुई। पहले तीन वर्षों में इसे सीबीएसई द्वारा संचालित किया गया परंतु साल 2019 से इन इम्तिहानों की जिम्मेदारी नेशनल टैरिफिंग एजेंसी (एनटीए) को दी गई। जब से नीट की परीक्षा लागू हुई है, ऐसा पहली बार हुआ है कि इस परीक्षा की कटऑफ इतनी हाई गई है। यदि एनटीए की मानें तो 'नीट कटऑफ कैंडिडेट्स की ओवरऑल परफॉरमेंस पर निर्भर करती है। कटऑफ बढ़ने का मतलब है कि परीक्षा कंपटीटिव थी और बच्चों ने बेहतर परफॉर्म किया'।

परंतु क्या यह बात सही है? गौरतलब है कि इस बार की नीट परीक्षा में 67 ऐसे युवा हैं, जिन्हें 720

काफी कठिन थी, कटऑफ काफी नीचे रहेगी। एनटीए द्वारा एक और स्पष्टीकरण भी दिया गया है जिसके मुताबिक इस बार

यह साफ-साफ लिखा है कि यह आदेश मेडिकल और इंजीनियरिंग की परीक्षाओं पर लागू नहीं होगा परंतु एनटीए ने न जाने



अंकों में से 720 अंक मिले हैं। ऐसे कई युवा भी हैं, जिन्हें 718 और 719 अंक प्राप्त हुए हैं, जो परीक्षा पद्धति के मुताबिक असंभव हैं। 720 के टोटल मार्क्स वाली नीट परीक्षा में हर सवाल 4 अंक का होता है। गलत उत्तर के लिए 1 अंक कटता है। अगर किसी स्टूडेंट ने सभी सवाल सही किए तो उसे 720 में से 720 मिलेंगे। अगर एक सवाल का उत्तर नहीं दिया, तो 716 अंक मिलेंगे। अगर एक सवाल गलत हो गया, तो उसे 715 अंक मिलने चाहिए।

लेकिन 718 या 719 किसी भी सूरत में नहीं मिल सकते। जाहिर है कि तगड़ा घोटाला हुआ है। जिन विद्यार्थियों ने इस वर्ष नीट परीक्षा दी उनसे जब यह पृछा गया कि इस बार की परीक्षा कैसी थी? तो उनका जवाब था कि इस बार की परीक्षा

टॉप करने वाले कई बच्चों को ग्रेस मार्क्स भी दिए गए हैं। इसका कारण है कि फिजिक्स के एक प्रश्न के दो सही उत्तर हैं। ऐसा इसलिए है कि फिजिक्स की एक पुरानी किताब, जिसे 2018 में हटा दिया गया था, अभी भी पढ़ी जा रही थी। परंतु यहां सवाल उठता है कि आजकल के युग में जहां सभी युवा एक दूसरे के साथ सोशल मीडिया के किसी न किसी माध्यम से जुड़े रहते हैं, या फिर जहां कोचिंग लेते हैं, वहां पर सबसे संपर्क में रहते हैं। फिर ये कैसे संभव है कि छह साल पुरानी किताब को सही नहीं करायो गया होगा?

परंतु गौरतलब है कि सुप्रिम कोर्ट के जिस फैसले का यहां उल्लेख किया जा रहा है वह कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) के लिए था, उसी आदेश में

किस आधार पर इस आदेश को संज्ञान में लिया और ग्रेस मार्क्स दे दिए? नीट परीक्षा का यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है, और अदालत ने नीट परीक्षा करवाने वाली एजेंसी एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है।

देखना होगा कि ये दोनों कोर्ट में क्या जवाब दाखिल करते हैं? परंतु जिस तरह इस मामले ने तूल पकड़ा है, इस पर राजनीति भी होने लग गई है, इतना ही नहीं जिस तरह एनटीए ने परीक्षा से पहले ही इसके पंजीकरण में ढील बरती है, वह सब भी सवालियों के घेरे में है। टॉपर्स की लिस्ट में कम से कम 6 विद्यार्थी ऐसे हैं, जो एक ही सेंटर के हैं। इस सेंटर को इसलिए भी शक की नजर से देखा जा रहा है कि यहां विद्यार्थी देश के दूसरे कोने से

परीक्षा देने आए। बिहार, गुजरात और अन्य राज्यों में नीट परीक्षा के पेपर लीक के मामले भी सामने आए हैं जिन पर जांच चल रही है।

सोचने वाली बात है कि देश का भविष्य माने जाने वाले विद्यार्थी, जो आगे चल कर डॉक्टर बनेंगे, यदि इस प्रकार भ्रष्ट तंत्र के चलते किसी मेडिकल कॉलेज में दाखिला पा भी लेते हैं, तो क्या भविष्य में अच्छे डॉक्टर बन पाएंगे या पैसे के बल पर वहां भी पेपर लीक करवा कर 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' की तरह सिर्फ डिग्री ही हासिल करना चाहेंगे चाहे उन्हें कोई ज्ञान हो या न हो? सवाल सिर्फ नीट की परीक्षा का ही नहीं है, पिछले कुछ वर्षों से अनेक प्रांतों में होने वाली सरकारी नौकरियों की प्रतियोगी परीक्षाओं में भी लगातार घोटाले हो रहे हैं जिनको खबरें आए दिन मीडिया में प्रकाशित होती रहती हैं। इससे देश के युवाओं में भारी निराशा फैल रही है। नतीजा यह हुआ है कि पिछले 40 बरसों में आज भारत में थरोजगारी की दर सबसे अधिक हो गई है।

एक मध्यमवर्गीय या निम्नवर्गीय परिवार के पास अगर खुद की जमीन-जायदाद, खेतीबाड़ी या कोई दुकान न हो तो नौकरी ही एकमात्र आका का सहारा होती है। पर के युवा को मिली नौकरी उसके मां-बाप का बुढ़ापा, बहन-भाई की पढ़ाई और शादी, सबकी जिम्मेदारी संभाल लेती है। पर अगर बरसों की मेहनत के बाद घोटालों के कारण देश के करोड़ों युवा इस तरह बा-बार धोखा खाते रहेंगे तो सोचिए कितने परिवारों का जीवन बर्बाद हो जाएगा? यह बहुत गंभीर विषय है जिस पर केंद्र और राज्य सरकारों को फौल ध्यान देना चाहिए।

## खनिज दोहन हेतु रूस-चीन ने बदली तालिबान नीति

पुष्परंजन

वर्ष 2022 में अफ़गान अमीरात सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने जब पहली बार सेंट पीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मंच का दौरा किया, तो यह चर्चा का विषय था कि पुतिन क्या फिर से ग्रेट गेम खेलना चाहते हैं? हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आदतन कोई बात सीधे तौर पर स्वीकार नहीं करते, लेकिन उन्होंने कहा कि इस्लामिक अमीरात के साथ संबंध बनाने के लिए यह कदम जरूरी था। मार्च, 2022 में, रूस-अफ़गानिस्तान ने आधिकारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए। कजाकिस्तान 2023 में तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने वाला पहला देश था। विशेषज्ञों का मानना है कि मास्को के इशारे पर ऐसा कुछ हुआ था।

रूस के खेल से पश्चिमी देश अनूझ हों, यह गुलतपहमी कोई नहीं पालता। इसकी काट के वास्ते संयुक्त अरब अमीरात को हर समय आगे रखा जाता है। मई, 2023 में अफ़गानिस्तान पर पहली दोहा बैठक हुई थी, जिसकी अध्यक्षता संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की। लेकिन 18-19 फरवरी, 2024 को दूसरी दोहा बैठक में इस्लामिक अमीरात शर्तें पूरी न होने के कारण शामिल नहीं हुआ। जिसके लिए बैठक हो, और वही अनुपस्थित रहे, तो दोहा-टू का मजाक बनना स्वाभाविक था। अब, तीसरी बैठक 30 जून और 1 जुलाई, 2024 को निर्धारित है। पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक मामलों के अवर महासचिव रोज़मरी डिकालो, करार के उपविदेश मंत्री, इस्लामिक सहयोग संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल और यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि थॉमस निकलसन ने काबुल का दौरा किया था। इससे पहले सुरक्षा परिषद के अनुरोध पर 25 अप्रैल, 2024 को, संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने स्वतंत्र मूल्यांकन करने के लिए तुर्की के राजनयिक फरीदुन सिनिरिलियोग्लू को विशेष समन्वयक नियुक्त किया था। लेकिन फरीदुन सिनिरिलियोग्लू ने जो मसौदे दोहा-3 बैठक के लिए तैयार किये, उसमें काफी रहोबल किये जा



चुके हैं। यह सब होने के बाद ही अमीरात के प्रवक्ता जबीहल्लाह मुजाहिद ने तीसरी दोहा बैठक में अंतरिम सरकार के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी की घोषणा की है। दोहा-3 बैठक में अमीरात के विदेश मंत्री वित्तीय, बैंकिंग, ड्रग नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर विमर्श के लिए सहमत हैं। अब सवाल यह है कि क्या पश्चिमी देश मान लेंगे कि अफ़गान औरतों को शिक्षा-रोजगार से दूर रखने का जो जघन्य कर्म अमीरात ने किया, मानवाधिकारों का दमन किया, वो सही है?

रूस ने भी अमीरात पर औरतों के हक को लेकर शायद ही कभी दबाव बनाया हो। इस्लामिक अमीरात अक्सर रूसी सुरक्षा सम्मेलनों में साझेदार बना है। 8 फरवरी, 2023 को भारत, ईरान, किर्गिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) ने अफ़गानिस्तान पर पांचवें बहुपक्षीय सुरक्षा वार्ता के लिए मास्को में मुलाकात की। इसके प्रकारांतर सिंतंबर, 2023 में चीन, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विशेष प्रतिनिधियों को जुटाकर 'अफ़गानिस्तान पर मास्को पराक्रम' की पांचवीं बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में अफ़गानिस्तान

के कार्यवाहक विदेशमंत्री अमीर खान मुत्ताफी ने भी भाग लिया था। इतना ही नहीं, रूस-चीन की पहल पर शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन संपर्क समूह में भी अफ़गानिस्तान को लाने के प्रयास किये गये। यह रोचक है कि 29 जनवरी, 2024 को तालिबान प्रशासन ने काबुल में 'अफ़गानिस्तान क्षेत्रीय सहयोग पहल' नामक पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक की मेजबानी की, जिसमें रूस, चीन, ईरान, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, इंडोनेशिया और भारत सहित यूरोशियन क्षेत्र के 11 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। ऐसे में कैसे कह सकते हैं, कि अमीरात शासन को 'आइसोलेट' कर दिया गया?

बर्लिन स्थित काउंटर एक्सट्रीमिज्म प्रोजेक्ट (सीईपी) के मध्य-पूर्व विशेषज्ञ, हैंस जैकब शिंडलर का मानना है कि रूस का विदेश मंत्रालय तालिबान को आतंकवादी समूह की सूची से हटाने के बदले में काफ़ी-कुछ उम्मीद कर सकता है। लेकिन ऐसा कहना आसान है, करना मुश्किल। शिंडलर ने कहा, 'तालिबान हमेशा रियायतें स्वीकार करने के लिए इच्छुक होते हैं, लेकिन जब उन्हें बदले में देने की बात आती है, तो उनके लिए चीजें जटिल हो जाती हैं।' अफ़गानिस्तान एनालिस्ट नेटवर्क के सह-संस्थापक

थॉमस रूटिंग ने भी क्रैमलिन के हालिया प्रयासों को मल्टी टास्क रणनीति के रूप में व्याख्यायित किया, जो इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता देने की दिशा में बढ़ रही है।

शिंडलर और रूटिंग दोनों इस बात पर सहमत हैं कि तालिबान को आतंकवादी संगठन के रूप में सूची से हटाने के बाद अगला कदम उसे वैध राज्य शक्ति के रूप में आधिकारिक मान्यता देना हो सकता है। दोनों की बात कुछ हद तक सही है। ऐसी कवायद दोहा से मास्को तक चल रही है। थोड़ी देर के लिए हम यदि इसे तालिबान नीति की सफलता मान भी लें, तो आने वाले समय के लिए यह सुखद संदेश नहीं देता है। तालिबान पहले 1996 और 2001 के बीच अफ़गानिस्तान की सत्ता पर काबिज थे। दो दशक बाद, तालिबान की वापसी का मतलब, इस्लामी कानून की संकीर्ण व्याख्या की बहाली भी रही है। यदि मल्टीपोलर वर्ल्ड अपने कूटनीतिक स्वार्थों की वजह से मानवाधिकारों का हनन, विशेष रूप से महिलाओं-बच्चियों पर व्यापक प्रतिबंध को भी स्वीकार करता है, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या भारत को भी अमीरात इसी रूप में सुहाता है?

तालिबान प्रतिबंधित है, दूसरी ओर सेंट पीटर्सबर्ग इकोनॉमिक फोरम में वह आमंत्रित भी है। रूसी अधिकारियों के अनुसार, 'पिछले साल दोनों देशों के बीच व्यापार में पांच गुना वृद्धि हुई और यह एक अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है।' चीन भी 2023-24 में डेढ़ अरब डॉलर एक्सपोर्ट के साथ अफ़गानिस्तान में खनिजों का दोहन करता है, तो उसे मान्यता देने न देने का मतलब क्या रह जाता है? यह तो समझ में आ चुका है कि तालिबान से संबंधों को सुदृढ़ करना, चीनी-रूसी विदेश नीति का हिस्सा है। खनिजों से समृद्ध अफ़गानिस्तान सबके लिए प्रासंगिक है, जिसका दोहन तभी किया जा सकता है, जब इस देश में शांति लाई जाए, और आधारसंरचना, फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क से लैस किया जाए।

### ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ के दावे और सवाल रविवार को एक बार फिर से उठ खड़े हुए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मीडिया में मुंबई की एक खबर-जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोक सभा सीट से शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने चार जून को समागणना के दौरान एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था जो ईवीएम से जुड़ा हुआ था-का हवाला देते हुए ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। हालांकि चुनाव आयोग ने मोबाइल से लिंक कर दिया था, इसलिए इसे हटाना जाना चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, और किसी को भी उसकी जांच की अनुमति नहीं है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के चेयरमैन एवं टेस्टा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के एक पोस्ट का हवाला भी दिया जिसमें मस्क ने दावा किया है कि ईवीएम में छेड़छाड़ का खतरा बहुत अधिक है। उनका कहना है कि ईवीएम को ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए हैक किया जा सकता है, इसलिए इसे हटाना जाना चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, और किसी को भी उसकी जांच की अनुमति नहीं है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए आगामी सभी चुनाव मतपत्रों के जरिए कराने की मांग की है। बहरहाल, इस प्रकार ईवीएम पर सवाल उठाना जाना कोई नई बात नहीं है। काफी समय तक ईवीएम को लेकर पक्ष-प्रतिपक्ष के बीच तकरार रही। मामला अदालत में भी पहुंचा। अदालत ने स्पष्ट फैसला देकर इस विवाद का अंत कर दिया था।

लेकिन नये घटनाक्रम के बाद प्रतिपक्ष ईवीएम को फिर से संदेह के घेरे में लाने को प्रेरित हुआ है। उसे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंता जतलाने, बल्कि कहे कि चुनाव में धांधली की आशंका जताने का मौका भी मिल गया है। प्रतिपक्ष चुनाव से जुड़ी संस्थाओं की जवाबदेही पर सवाल उठा रहा है, और जवाबदेही के अभाव में लोकतंत्र के दिखावा भर रहे जाने की बात कह रहा है। ईवीएम को लेकर एक बार फिर से सियासी घमासान छिड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। जब ईवीएम को लेकर शक-संदेहों का चुनाव आयोग अपने स्तर पर निराकरण कर चुका है, अदालत ने भी व्यवस्था दे दी है, और सबसे बड़ी बात कि विपक्ष ईवीएम के जरिए चुनावी जीत को सजज लेता है, तो भी शक-संदेह जताना उसकी अपरिष्कृतता दिखाता है।

## मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा संचालित 5 निशुल्क एम्बुलेंस सेवा का किया शुभारम्भ

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

एम्बुलेंस वाली दीदी के नाम से जनता के बीच एक समाज सेविका और जनप्रतिनिधि के रूप में लोकप्रिय पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा को बड़ी सौगात दी है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर में विधायक भावना बोहरा द्वारा संचालित 5 निशुल्क एम्बुलेंस सेवा का शुभारम्भ किया और जनसेवा के प्रति उनके कार्यों की प्रशंसा कर उन्हें और पंडरिया विधानसभा की जनता को बधाई दी। पिछले 10 वर्षों से समाज सेविका के रूप में भावना बोहरा ने स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और जलसंधारण लक्ष्यों को सहायता के लिए लगातार जनहित के कार्य कर रही हैं। इन 5 एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत के साथ ही उनके द्वारा अबतक कुल 8 निशुल्क एम्बुलेंस सेवा, 1 निशुल्क मोबाइल हेल्थ चेक लैब और महाविद्यालयीन छात्राओं को कॉलेज से घर आने-जाने हेतु 3 निशुल्क बसों का सञ्चालन किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के हजारों



परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 5 एम्बुलेंस का शुभारम्भ करते हुए विधायक भावना बोहरा को बधाई देते हुए कहा कि जनसेवा के साथ-साथ जनसुविधा के लिए यह प्रयास सराहनीय है। एक जनप्रतिनिधि के रूप में जनता की सेवा करने का जो उद्देश्य और मार्ग उन्होंने चुना है वह भारतीय जनता पार्टी की नीति और संस्कार को प्रदर्शित करता है। आपातकालीन सेवा हेतु उन्होंने जनता की सुविधा के लिए जो संकल्प लिया है उसे पूरा करने के लिए मैं उन्हें बधाई देता हूँ। छत्तीसगढ़ सरकार भी

प्रदेश की जनता की सेवा, सुविधा और प्रदेश में सुशासन के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। हमारे किसानों को सम्मान, युवाओं को प्रोत्साहन, महिलाओं का सशक्तिकरण और वरिष्ठजनों की आर्कांक्षाओं की पूर्ति हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार प्रतिबद्धता से अपने दायित्वों और वादों को पूरा कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह ने इस अवसर पर भावना बोहरा के निरंतर प्रयासों एवं जनसेवा के कार्यों की सराहना कर कहा कि

यह सच्ची जनसेवा है। उन्होंने कहा कि अपने नाम के अनुरूप जन भावना के साथ भावना बोहरा द्वारा किये जा रहे कार्यों के लिए मैं उन्हें बधाई देता हूँ। एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपने दायित्वों के साथ ही पार्टी की एक कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में भी वो अपने दायित्वों को बखूबी निभा रही हैं। जनता के हर सुख-दुःख में साथ रहना और उनकी सुविधाओं के साथ-साथ अपने क्षेत्र का विकास करना एक जनप्रतिनिधि का कर्तव्य होता है और वे अपने कर्तव्यों को बखूबी निभा रही हैं।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि यह क्षण मेरे लिए बहुत ही

भावुक और गौरवान्वित करने वाला है जो संकल्प हमने किया था आज वह प्रत्यक्ष रूप से साकार हुआ। इस निशुल्क एम्बुलेंस के माध्यम से आप सभी पंडरिया विधानसभा के मेरे परिवारजनों को आपातकाल में त्वरित समाधान मिल सके और किसी भी विषय परिस्थिति में वे तत्काल अस्पताल पहुँच सकें इसके साथी गर्भवती माताओं-बहनों को गर्भावस्था के दौरान बेहतर सुविधा मिल सके यही हमारा उद्देश्य है। मैंने हमेशा ही कहा है कि राजनीति मेरे लिए जनसेवा का एक माध्यम है। लगभग 10 वर्षों से अधिक समय से मैंने जनता के बीच रहकर उनकी जो तकलीफें को देखा, समस्याओं को जाना एवं उनकी आर्कांक्षाओं को जाना है। उनके इन समस्याओं के निराकरण और आर्कांक्षाओं को पूरा करने के लिए हमेशा ही मन में भाव आता रहा है और उनके ही आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन से मुझे इन सभी कार्यों के लिए प्रेरणा और क्षेत्र के चहुँमुखी विकास के लिए अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु उर्जा मिलती है।

## जिले स्तर पर जशपुर विधायक रायमुनी भगत के मुख्य आतिथ्य में विश्व सिकल सेल दिवस संपन्न

श्रमबिन्दु / पथलगांव



जिले स्तर पर जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत के मुख्य आतिथ्य में विश्व सिकल सेल दिवस पर जिला पंचायत जशपुर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जय हो जशपुर टीम व राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवक ठाकुर शोभा सिंह शासकीय महाविद्यालय पथलगांव के 12 सदस्यीय एक समूह ने प्रतिनिधित्व किया तथा नाटक का प्रदर्शन किया जिसे सभागार में उपस्थित सभी ने खूब सराहा। सभी स्वयं सेवकों को ढेर सारी शुभकामना व बधाई संदेश महाविद्यालय परिवार की ओर से प्रेषित की गई है इसी विषय पर, जय हो जशपुर, व राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवकों के चौथे और पांचवें टीम द्वारा संयुक्त रूप से समीपस्थ ग्राम पतरापली में विश्व सिकल सेल दिवस पर लोगों को नुक़ड़ नाटक के माध्यम से जागरूक करने कार्यक्रम का आयोजन किया जा। जिला प्रशासन, यूनिसेफ व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त प्रयास से

जिला स्तर पर बाल विवाह जैसे कुप्रथा, सिकल सेल, सर्प दंश, टीकाकरण, अधीक्षण व महिला सशक्तिकरण को लेकर लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें ठाकुर शोभा सिंह शासकीय महाविद्यालय पथलगांव राष्ट्रीय सेवा कार्यक्रम अधिकारी प्रो टी आर पाटले के मार्गदर्शन में स्वयं सेवकों का 12/12 सदस्यों की पांच टीम बनाई गई है जो अलग अलग ग्राम पंचायतों में नाटक नुक़ड़ कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। बाल विवाह क्या है, क्यों होता है, कैसे रोका जा सकता है उसके दृश्यनिर्माण, सर्प दंश के प्रति अभी भी ग्रामीण अंचल में बैगा गुनिया ओझा के चक्र में लोग जान गवां रहे हैं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर स्वयं

सेवक दिन रात काम कर रहे हैं। रूपा नम्बर एक कु अंकिता बड़ा व साथी, रूपा नम्बर दो काजल पैकरा व साथी, रूपा नम्बर तीन समिला बाज व साथी, रूपा नम्बर चार दीपक कुमार व साथी व रूपा नम्बर पांच लता लहरें व साथी सभी लगभग 20 से अधिक प्रयासों में कार्यक्रम का आयोजन कर चुके हैं। निश्चित रूप से हमारा देश युवाओं का देश है। युवा छात्र छात्राएं मानव संसाधन हैं। निश्चित रूप से देश का भविष्य है। युवा शक्ति के सदुपयोग से अनेक बुराइयों को दूर किया जा सकता है। स्वयं सेवकों द्वारा इस हिटवेव के समय में किया जाने वाला यह कार्यक्रम सराहनीय व अनुकरणीय है तथा निश्चित रूप से अन्य के लिए प्रेरणादायक भी है।

## अनाधिकृत वेंडरों की रोकथाम हेतु बिलासपुर स्टेशन व ट्रेनों में चलाया जा रहा विशेष जांच अभियान



श्रमबिन्दु / बिलासपुर

रेलवे द्वारा अनाधिकृत वेंडरों द्वारा गाडियों तथा स्टेशनों में गुणवत्तायुक्त खानपान सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। रेलवे प्रशासन स्टेशनों एवं गाडियों में यात्रियों को उपलब्ध कराई गई खानपान की गुणवत्ता को बरकरार रखने तथा उसमें लगातार सुधार हेतु प्रतिबद्ध है। साथ ही रेलवे प्रशासन को अनाधिकृत वेंडिंग की शिकायत भी समय-समय पर मिलती है। इसी संदर्भ में वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के निर्देश पर मंडल वाणिज्य विभाग द्वारा गाडियों तथा प्रमुख स्टेशनों में अनाधिकृत वेंडरों की रोकथाम हेतु निरंतर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक 18 व 19 जून 2024 को मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री एस भारतीयन के नेतृत्व में बिलासपुर स्टेशन में चलाये गए जांच अभियान के दौरान 28 अनाधिकृत वेंडर पकड़े गये जिन पर रेलवे नियमानुसार 24,585

रुपए जुर्माने की कार्रवाई की गई 7 इस अभियान में वाणिज्य निरीक्षक, टिकट चेकिंग स्टाफ व आरपीएफ़ स्टाफ भी शामिल थे। इसके अलावा बिना प्लेटफ़ॉर्म परमित के किसी भी वेंडर को प्लेटफ़ॉर्म एवं गाडियों में ख़ाद्य सामग्री नहीं बेचे जाने वावत सख्त हिदायत सभी केटरिंग संचालकों को दी गई। मंडल रेल प्रशासन अनाधिकृत वेंडिंग को पूर्णतः बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। यात्रियों से आग्रह है कि जुर्माने की कार्यवाही से बचने उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, प्रतिक्षा सूची ई-टिकट पर यात्रा करने की अनुमति नहीं है। इसी प्रकार प्लेटफ़ॉर्म टिकट भी यात्रा के लिए अनुमत नहीं है। अतः प्रतीक्षा सूची, ई-टिकट अथवा प्लेटफ़ॉर्म टिकट लेकर यात्रा न करें। स्टेशन प्लेटफ़ॉर्म पर प्रवेश के लिए यात्रा टिकट या प्लेटफ़ॉर्म टिकट होना आवश्यक है। यात्रा से पूर्व अपने सामान को बुक कराएँ, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

## कुलपति प्रो. चक्रवाल ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट की

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) नैक से ए. ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने दिल्ली में माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री महोदय श्री धर्मेंद्र प्रधान जी से सौजन्य भेंट की।

माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री महोदय श्री धर्मेंद्र प्रधान जी को केन्द्र सरकार में पुनः केन्द्रीय शिक्षा मंत्री बनाये जाने पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने बधाइयाँ प्रेषित करते हुए पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। कुलपति प्रो. चक्रवाल ने विश्वास जताया कि माननीय श्री धर्मेंद्र प्रधान जी के नेतृत्व में पिछले कार्यकाल के समान ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के पक्ष को मजबूती से लागू किया जाएगा।



माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान जी ने गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय को नैक से ए. ग्रेड प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल एवं विश्वविद्यालय परिवार बधाई देते हुए कहा कि शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े क्षेत्र में गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने उन मापदंडों को स्थापित किया है जो छत्तीसगढ़ प्रदेश में बहुप्रतीक्षित एवं अत्यंत आवश्यक थे। कुलपति प्रो.

चक्रवाल ने माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान जी को जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के मुताबिक भारत के श्रेष्ठतम 50 विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ है। इसके अतिरिक्त टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 401-500 के बैंड में भी शामिल हुआ है जिसमें 50 साल या उससे कम अवधि में स्थापित उच्च शिक्षा संस्थानों को शामिल किया जाता है। कुलपति प्रो. चक्रवाल ने विश्वविद्यालय की विभिन्न अकादमिक, शोध, अनुसंधान, नवाचार, अधोसंरचना विकास एवं सामाजिक गुरुत्तर दायित्वों के निर्वहन में किये जा रहे कार्यों में हो रही प्रगति के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संपूर्ण क्रियान्वयन को दृष्टिगत रखते हुए

स्नातक स्तर पर इसे लागू कर दिया गया है साथ ही अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट के अंतर्गत क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा भी विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ कर दी गई है। कुलपति प्रो. चक्रवाल ने 10 रुपये में पौष्टिक भोजन के प्रकल्प 'गुरु घासीदास विश्वविद्यालय स्वाभिमान थाली' (जीएफटी) के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि 200 थालियों से प्रारंभ हुआ यह संकल्प अब 1000 तक पहुंच गया है। माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही इस योजना की धूरि-धूरि प्रशंसा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल के सक्षम नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय भारत के विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संपूर्ण क्रियान्वयन को दृष्टिगत रखते हुए

## मुड़ीपार के उप सरपंच और आवास मित्र ने मिलकर किया ग्रामीण के आवास का पैसा गबन पीड़ित ग्रामीण ने की कलेक्टर से शिकायत...

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

बिल्हा एशिया के सबसे बड़े विकास खंड बिल्हा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मुड़ीपार में इस समय बड़ी धांधलियों काखेल चल रहा है। वैसे तो मुड़ीपार आए दिन सुर्खियों में चर्चित है। आए दिन यहां के ग्रामीण सरपंच गोदावरी सिन्हा उप सरपंच मनोज सिन्हा से

काफी डर सहमे हुए हैं सरपंच पति के द्वारा आवास के नाम पर ग्रामीणों से पैसे की वसूली किया गया है जब ग्रामीणों ने इसका विरोध किया तो सरपंच पति ने जिन लोगों से आवास के नाम पर पैसा लिया था उन लोगों को डरने धमकाने का काम करना शुरू कर दिया जब ग्रामीणों ने इसकी शिकायत बिल्हा एसडीएम से किया तो बिल्हा एसडीएम ने ग्रामीणों को तारीख पर तारीख करते रहे नियम के तहत 90 दिनों के अंदर में इसकी जांच पूरी हो जानी चाहिए थी लेकिन ना जाने एसडी एम साहब को किस नेता का डर सता रहा है कि आज तक पीड़ित ग्रामीणों को गौहैं तक नहीं सुना गया ग्रामीणों ने हार कर इसकी शिकायत बिलासपुर कलेक्टर को किया है सरपंच गोदावरी सिन्हा उप सरपंच मनोज सिन्हा के द्वारा फर्जी तरीके से बिल को ऑडिट कर शासन को लाखों रुपए का नुकसान पहुंचा रहा है सिन्हा बिल्डर के नाम पर फर्जी तरीके से बिल बनाकर बिना जीएस्टी नंबर के और बिना रजिस्ट्रेशन के बिल बनाकर शासन से लाखों



रुपए की वसूली किया गया है जिसकी जांच के लिए गांव के ही एक युवक ने इसकी शिकायत एसडीएम से किया लेकिन जांच सिर्फ कागजों तक सीमित है जिसकी जांच आज तक नहीं किया गया अगर सिन्हा बिल्डर के बिल की जांच किया जाए वारीकी का से तो बड़े घोटाले की चाबी शासन के हाथ में लग सकती है सूत्र बताते हैं कि उप सरपंच और ग्राम पंचायत सरपंच की आपस में तलाक हो चुका है उसके बावजूद सरपंच

ग्राम पंचायत में नहीं बैठे हैं पंचायत का पूरा काम उप सरपंच मनोज सिन्हा के द्वारा किया जाता है ग्रामीण जीवन मरकाम ने बताया कि उसकी मां का आवास का पैसा उप सरपंच मनोज सिन्हा के द्वारा 735000 आवास को और 100000 रुपए के नाम पर ग्रामीण से लिया गया ग्रामीण ने बताया कि मुझे उपसरपंच मनोज सिन्हा बिलासपुर बैंक कलेक्टर का साइन करवाया मेरी मां थुरी बाई मरकाम का आवास का पैसा निकाल कर गबन कर लिया गया जब मैंने इसकी शिकायत बिल्हा सी ई ओ से किया तो उप सरपंच को बुला गया तब उप सरपंच ने सी ई ओ के सामने बोला था की मैं आप का पैसा दे दुगा लेकिन आज तक मुझे आवास का पैसा नहीं दिया गया है कई सालों से उप सरपंच के द्वारा मुझे घुमाया जा रहा है, तब ग्रामीण ने हार थक कर बिलासपुर पहुंच कर कलेक्टर को शिकायत किया।

गुड़ीपार जनपद पंचायत बिल्हा के द्वारा श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बिल्हा एवं तहसीलदार बोदरी के समक्ष ग्राम पंचायत मुड़ीपार सरपंच श्रीमती गोदावरी सिन्हा के विरुद्ध अपनी विभिन्न शिकायत जैसे आवास आर्बिट्रि हेतु राशि लेने, पंचायत द्वारा शासन के योजनाओं का लाभार्थियों को लाभ नहीं देने व उनसे अवैध राशि की गांग करने तथा स्वयं शासकीय भूमि में अतिक्रमण कर वाहन सर्विसिंग सेंटर एवं शोड निर्माण करना तथा सार्वजनिक हित के कृआ तथा नलकूप को अतिक्रमण कर कब्जे में लेने से निस्तारी बाधित हो गया है जिसके संबंध में विहित प्राधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बिल्हा एवं तहसीलदार बोदरी के समक्ष पिछले एक वर्ष पूर्व से शिकायत की गई है परन्तु वे सरपंच ग्राम पंचायत मुड़ीपार से प्रभावित होकर उनके पदीय कार्यकाल को पूरा करने में सहयोग कर रहे हैं।

## ना आधार कार्ड बनवाने और सुधार के लिए पथलगांव के डाकघर

श्रमबिन्दु / पथलगांव

ना आधार कार्ड बनवाने और सुधार के लिए नागरिकों को अब यहां वहां भटकने को मजबूर नहीं होना पड़ेगा। पथलगांव के डाकघर में ना सिर्फ नया आधार कार्ड बनाने बल्कि पुराने आधार कार्ड पर भी यदि कोई त्रुटि होने पर सुधरवाया जा सकता है। जिसके लिए डाकघर में आधार कार्ड बनाने आई स्कैनर, प्रिंटर, फिंगर प्रिंटर जैसे उपकरण लगाए गए हैं। तब ता दे कि भारतीय डाक विभाग द्वारा रायगढ़ डाक संभाग के अंतर्गत रायगढ़ सदर बाजार / चक्रधरनगर / हददी / खरसिया / धरमजयगढ़ / पथलगांव/बगीचा डाकघरों में आधार एनरोलमेंट एवं अपडेशन



संबंधी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। जिसके माध्यम से आम नागरिक अपना नया आधार कार्ड बनवा सकते हैं एवं पुराने आधार कार्ड में किसी भी प्रकार का सुधार/अपडेशन (पता, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, नाम, बायोमेट्रिक अपडेट, ईमेल अपडेट इत्यादि) का कार्य कराया जा सकता है। चूँकि बच्चों का 5 एवं 15 वर्ष की आयु पर

बायोमेट्रिक अपडेशन अतिआवश्यक है। अपने बच्चों का भी निःशुल्क बायोमेट्रिक अपडेशन करा सकते हैं। समस्त आम नागरिक सुधर/अपडेशन (पता, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, नाम, बायोमेट्रिक अपडेट, ईमेल अपडेट इत्यादि) का कार्य कराया जा सकता है। चूँकि बच्चों का 5 एवं 15 वर्ष की आयु पर

## खबर का हुआ असर

## अवैध धंधा करने वाली महिलाओं पर पुलिस की करवाई

श्रमबिन्दु / बिलासपुर



न्यायधीनी के मध्य क्षेत्र में कौनहेंर उद्यान स्थित है जो कि वीवीआईपी लोगों के ठहरने वाले छत्तीसगढ़ भवन के नजदीक है, इस उद्यान में अवैध काम बेधडक चलाया जा रहा था, आम जनता के मनोरंजन के लिए बना उद्यान अवैध धंधों का अड्डा बना हुआ था जिससे शांत शहर अब अपराध का गढ़ बनता जा रहा था...

वैश्यावृत्ति के काम करने वाली ने यहाँ अपना अड्डा बना लिया है, उद्यान में सुबह से शाम तक दलालों व खरीदारों का आना जाना बना रहता है, आम जनता की शिकायत और खबर चलने के बाद प्रशासन ने इस पर संज्ञान लेते हुए आज तड़के सुबह से ही टीम भेजकर कार्यवाही शुरू करवा दी है... वही आज बुधवार को पुलिस कप्तान रजनेश सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरिमा द्विवेदी उप पुलिस अधीक्षक अनिता प्रभा मिंज और महिला थाने के स्टाफसहित रक्षा टीम के सदस्यों की टीम बनाकर देह

स्थानों पे दबिश दी गई, मौके पर 3 युवतियाँ संदिग्ध पायी गईं जिन्हें पकड़कर महिला थाना लाकर पूछताछ करने पर उन्होंने देह व्यापार में लिप्त होना स्वीकार किया, जिनपर महिला थाना में प्रतिबन्धात्मक करवायी की गई... वही पुलिस कप्तान के निर्देश पर आगे भी लगातार ऐसी कार्यवाही की जाती रहेगी और शहर के ऐसे सभी क्षेत्रों में निर्यमित पैट्रोलिंग करने की बात कही है... पिछले दिनों छत्तीसगढ़ भवन के पास रहने वाले रजनेशसिंघ ने पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह को शिकायत की थी कि कौनहेंर गाडन के पास अक्सर देह व्यापार में लिप्त युवतियाँ खड़ी होती हैं जिससे क्षेत्र का माहोल

खराब होता है, आने जाने वाले बच्चों सहित परिवार वालों को तकलीफें का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरिमा द्विवेदी को निर्देशित किया कि ऐसे स्थानों पे नियमित पैट्रोलिंग हो और ऐसी गतिविधिया करने वालों पर सख्त कार्यवाही हो, पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरिमा द्विवेदी ने महिला थाने के स्टाफ और उप पुलिस अधीक्षक अनिता प्रभा मिंज की टीम बनाई और ऐसे स्थानों पे दबिश दी गई जिसमें रक्षा टीम भी शामिल थी वहाँ 3 युवतियाँ संदिग्ध पायी गईं जिन्हें महिला थाना लाके पूछताछ की गई जो की देह व्यापार में लिप्त पायी गईं जिनपे महिला थाना में प्रतिबन्धात्मक करवायी की जा रही है... पुलिस अधीक्षक के निर्देश अनुसार आगे भी ऐसी कार्यवाही की जाती रहेगी और शहर के ऐसे सभी क्षेत्रों में निर्यमित पैट्रोलिंग की जाएगी।



## स्वास खबर...

## पुलिस थाना गैदाटोला द्वारा लगाया गया चलित थाना



श्रमबिन्दु / राजनांदगाव

थाना गैदाटोला द्वारा ग्राम घोटोया में चलित थाना आयोजित किया गया जिसमें उपस्थित ग्रामीणों के समस्याओं से रूबरू होकर समस्याओं का समाधान देकर सुलझाया गया एवं चलित थाना में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों को आगामी 01 जुलाई 2024 को में लागू होने वाले नवीन कानूनों, महिला अधिकार, धरोलू हिंसा, लैंगिक अपराध, सायबर अपराध, सार्वभर सुरक्षा, पोक्सो एक्ट, नये कानून की जानकारी, कैरियर गाइडेंस के बारे में जानकारी दिया गया। नशा मुक्ति अभियान के तहत जानकारी देकर नारकोटिक्स/ड्रग्स/अवैध नशा से परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराकर अपने आसपास एवं स्वयं को भी नशीले पदार्थों से दूर रखने तथा अपने घर परिवार व सामाज में भी नशे के दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया।

## परलकोट पत्रकार संघ पखांजुर का

## पुनर्गठन हुआ



## स्वतंत्र नामदेव को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया

श्रमबिन्दु / पखांजुर

पखांजुर वन विभाग के विज्ञान गृह में परलकोट पत्रकार संघ का बैठक आयोजित की गई। संघ के समस्त पत्रकारों की उपस्थिति में संघ का पुनर्गठन कर नवीन पदाधिकारियों का चयन किया गया। संरक्षक पद के लिए मिथुन मंडल, गोपाल ब्रह्मचारी, बलाई बिस, संजय साहा, राजदीप शर्मा, शोभन बैनर्जी को चुना गया वहीं बैठक की रूपरेखा आगे बढ़ाते हुए अध्यक्ष पद के लिए सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित कर वरिष्ठ पत्रकार स्वतंत्र नामदेव को परलकोट पत्रकार संघ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं उपाध्यक्ष के लिए विकास वैध, दीपांकर समद्वार का नामचयनित किया गया, सचिव पद के लिए जतन विश्वास, सहसचिव के लिए दिपेश साहा ( को मनोनीत किया। कोषाध्यक्ष पद के लिए धनंजय चंद, मीडिया प्रभारी तनुज सरकार साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में विजय मजूमदार, पल्लव मंडल, सुभम कुंडू आकाश सरकार प्रदीप विश्वास ( हाबू ) संजय कर, शंकर सरकार, अतनु सरकार, विष्णु मिस्त्री, अजय बहाई, नीलकमल मंडल, मनोज राय विकास तरफदार, शुभ पाइक, किशोर बाला ने सदस्यता ग्रहण की।

## जहरीली महुआ शराब पीने से एक महिला सहित तीन की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मंगलवार को कथित रूप से कच्ची महुआ शराब के सेवन से एक महिला समेत 3 लोगों की मौत हुई है। घटना करतला थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम कोटमेर की है। ग्रामीणों ने अनुसार तीनों की मृत्यु जहरीले कच्ची शराब पीने से हुई है, मृतकों में श्रीमति मालती बाई (50), राम सिंह (60), बेदराम (49) शामिल है। ग्रामीणों ने बताया कि तीनों मृतक बेदराम के निवास में शराब का सेवन का रहे थे और घर में चखना और कच्ची महुआ शराब मृत पड़े शवों के पास मौजूद था। जिसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि मृतकों की मृत्यु जहरीली कच्ची महुआ शराब पीने से हुई है। इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि तीनों की मौत जहरीली शराब पीने से हुई यह कहना अभी ठीक नहीं होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। मामलों में अभी जांच जारी है।

## आगामी वर्षाकाल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से परिसम्पतियां हटाने की सूचना जारी

कोरबा। अधीक्षण अभियंता हसदेव परियोजना मण्डल रामपुर, कोरबा द्वारा जिले के सर्व साधारण एवं कार्य संबंधितों को सूचित किया गया है कि आगामी वर्षाकाल 2024 के दौरान आवश्यकता होने पर बांगो बांध माचाडोली व हसदेव बराज दर्री से नदी में पानी प्रवाहित किया जाएगा। इस हेतु सर्व संबंधित उक्त बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित अपने चल-अचल सम्पत्ति को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर लें। इसी प्रकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्थापित खनिज, खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पतियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लेना सुनिश्चित करें। आकस्मिक बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल प्रबंध संभाग उत्तरदायी नहीं होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में आने वाले संभावित गांवों में बांगो, लेपरा, नुनिया, कछार, कोनकोना, पोड़ी-उपरुडा, चर्रा, पाराघाट, छिन्मेर, सिरकीकला, केरा, पाथा, सिलीयारीपारा, तिलसाभाटा, हथमार, छिर्गीपारा, डगुपारा, करमीपारा, जुनापारा, लोरीडंड, टुंगमुडा, तिलाईडाड, नवागांव, झोरा, कौरीघाट, पोड़ीखोहा, डोंगाघाट, धनगांव, जेलगांव, चारपारा, खैरभावना, बलदामपुर, भलपहरी, जोगीपाली, कोहड़िया, राताखार, गेवराघाट, इमलीडुगु, कुदुरमाल, बरीडीह, मोहर, देवरी, चिचोली, कटंबितला, झोका व डिटोली शामिल हैं।

## आईटीआई के ट्रेनिंग अप्सरों को मिली राहत, हाईकोर्ट ने कहा - नौकरी से निकालने का आदेश अवैधानिक

बिलासपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिवीजन बेंच ने आईटीआई के ट्रेनिंग अप्सरों को निकालने के आदेश को अवैधानिक बताया है। शासन की अपील खारिज होने पर आईटीआई के प्रशिक्षण अधिकारियों को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने कहा है कि केवल कारण बताओ नोटिस जारी कर किसी भी शासकीय कर्मचारी को सेवा से बाहर नहीं किया जा सकता।

## प्रदेश की भाजपा सरकार कानून व्यवस्था संभालने में विफल: कांग्रेस

## शहर जिला व ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित

श्रमबिन्दु / राजनांदगाव

बलौदाबाजार के ग्राम महकोनी में जैतखाम के अपमान व तोड़फोड़ में संतोषप्रद कार्यवाही न होने के चलते सामाजिक संगठन द्वारा निकाली रैली के दौरान उग्र प्रदर्शन से जिला कार्यालय व पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में हुई आगजनी से सैकड़ों दो पहिया वाहन व चार पहिया वाहन एवं शासकीय संपत्ति को क्षति पहुंची है। जिसको लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार में घटित उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी के तालुक्य में शहर जिला कांग्रेस व ग्रामीण कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार 18 जून को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया।

जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के आह्वान पर कार्यक्रम प्रभारी व पूर्व विधायक वरिष्ठ कांग्रेसी



श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर की उपस्थिति, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू के संयुक्त नेतृत्व में मंगलवार 18 जून को महावीर चौक फलाई ओवर के नीचे धरना-प्रदर्शन कर कांग्रेसजनों ने प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर भाजपा सरकार को जमकर कोसा व निंदा की। कार्यक्रम प्रभारी व पूर्व विधायक वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर ने

प्रदेश की भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि संतों को मानने वाले समाज सतनामी समाज के जैतखाम को तोड़ा गया है उन आरोपियों पर कार्यवाही कर अपना न्याय मांग रहे थे, किन्तु छत्तीसगढ़ सरकार कोई कार्यवाही न कर निर्दोष ग्रामीणों को फंसाया गया जिस पर समाज द्वारा आक्रोशित होकर धरना-प्रदर्शन किए किन्तु वहां पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया गया। श्रीमती चंद्राकर ने सरकार पर सवाल

पूछते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन करने वाली भीड़ जब कलेक्टरेट में आ रही थी तो पुलिस प्रशासन क्या कर रही थी। जब प्रदर्शन उग्र हो रहा था तो भीड़ को रोकने के बजाए पुलिस अप्सर हाथ में हाथ धरे क्या कर रहे थे।

पूर्व मंत्री धनेश पाटिला ने कहा कि सतनामी समाज हमेशा से शांति का पक्षधर रहा है गुरू घासीदास जी के मनखे-मनखे एक समाज का अक्षरः पालन करता रहा है। समानता और शांति का संदेश देने वाले पवित्र गिरौधपुरी धाम में जैतखाम को खंडित करना और उस पर प्रशासनिक एवं पुलिस की उचित कार्यवाही नहीं होने के कारण सम्मेलन का आयोजन किया गया था इसकी आड़ में असामाजिक तत्वों द्वारा यह घृणित कृत्य किया गया। हम किसी भी प्रकार के हिंसा के खिलाफ हैं।

ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि छत्र में भाजपा की सरकार आते ही छत्र के इतिहास में पहली बार इस तरह की घटना घटी है, सतनामी समाज शांति एवं अहिंसा के पक्षधर समाज है शांति के

प्रतीक है। प्रदेश की भाजपा सरकार ने इस पर समय रहते ध्यान नहीं दिया जिसके कारण सम्मेलन की आड़ में असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ व आगजनी की गई। हम इसकी उचित न्याय की मांग करते हैं। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर

सिंह छाबड़ा ने धरना-प्रदर्शन में प्रदेश की विष्णुदेव सायत की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अदूरदर्शिता, लापरवाही और नाकामी का परिणाम है कि बलौदाबाजार के ग्राम महकोनी के जैतखाम के अपमान व तोड़फोड़ में संतोषप्रद कार्यवाही नहीं हो पाना। बीते 15 मई को हुई इस घटना के समय जैतखाम को क्षति पहुंचाने वाले पर कार्यवाही की गई होती और आहत समाज से संवाद किया गया होता तो इस तरह की अग्रिय घटना सामने नहीं आती। इस घटना पर प्रदेश सरकार द्वारा ध्यान नहीं दिया और देश के इतिहास में पहली बार कलेक्टर कार्यालय व एसपी कार्यालय को जला दिया गया, यह घटना प्रदेश के कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है। जिसको हम घोर निंदा करते हैं।

## कलेक्टर ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की ली बैठक



श्रमबिन्दु / राजनांदगाव

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 को होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर कक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बताया कि सांसद श्री संतोष पाण्डेय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि उपज मंडी प्रांगण बसंतपुर राजनांदगाव में सुबह 7 बजे से 8 बजे तक सामूहिक योग अभ्यास किया जाएगा। जिसमें

अधिकारियों-कर्मचारियों सहित एनसीसी, एनएसएस, स्काउड गाइड के विद्यार्थियों को सुबह 6.30 बजे तक उपस्थित होने निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 20 जून 2024 की शाम को योग रिहर्सल किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, बैठक व्यवस्था, मंच निर्माण, ग्रीन मेट, कारपेट, गद्दा, साउण्ड सिस्टम, मॉडकल, पार्किंग जैसी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

## कलेक्टर ने की जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा, टंकियों को भरने के लिए उच्च क्षमता के मोटर पंपों के उपयोग के लिए निर्देश

श्रमबिन्दु / कोण्डगांव

जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बुधवार को जल जीवन मिशन के कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा के दौरान दहीकांगा में 30 जून तक जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों में समय-सीमा और गुणवत्ता के प्रति लापरवाही बताने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां टंकियों



का निर्माण पूर्ण हो गया है, वहां जल प्रदाय करने के लिए विद्युतीकरण का कार्य तत्काल किया जाए। उन्होंने टंकियों में जल भरण के लिए उच्च क्षमता के मोटर पंपों के उपयोग के निर्देश दिए। इसके साथ ही आवश्यकता

## सिकलसेल जागरुकता रथ को कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी

श्रमबिन्दु / कोण्डगांव

विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर जिले में सिकलसेल के प्रति जागरुकता लाने के लिए जागरुकता रथों का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बुधवार को जिला कार्यालय परिसर से जागरुकता रथों को हरी



झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी

अविनाश भोई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके सिंह, आदिवासी विकास विभाग की उपायुक्त डॉ. रेशमा खान, जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. आरसी टाकुर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती भावना महलवार सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

## नए कानून को लेकर कार्यशाला का आयोजन

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

लखौराम अग्रवाल स्मृति ऑटोडोरियम में नये कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एसपी श्री रजनेश सिंह ने बताया कि नवीन कानून संहिता के सभी उपबंध राज्य में 01 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे। इसका उद्देश्य आम जनता को त्वरित रूप से न्याय दिलाकर राहत प्रदान करना है, इसलिए नवीन कानून के बारे में हर आम और खास लोगों को जानकारी होना बहुत आवश्यक है। अपराधियों के लिए नए कानून में गंभीर सजा का प्रावधान किया गया है। समाज को अपराध मुक्त बनाने के लिए कड़े प्रावधान हैं। नए कानून में कोई भी



व्यक्ति ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करवा सकता है। कार्यशाला में नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री आर पी चौहान मौजूद थे।

नए कानून के संबंध में एसपी ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी। बताया गया कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में दंड के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता, तकनीक का समावेश तथा नए प्रावधानों को रेखांकित किया गया है।

अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे कानून और इसकी धाराओं में किया गया बदलाव 01 जुलाई 2024 से लागू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि नए कानून में भारतीय दण्ड संहिता 1860 के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता 2023 को अधिसूचित किया गया है। इसी तरह दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को अधिसूचित किया गया है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी ( रा. ) बेरला जिला बेमेतरा छत्र. // ईशतहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कोमल कोर पति अवतार सिंह साकिन बेमेतरा तहसील व जिला बेमेतरा छत्र. द्वारा अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ग्राम सरदा प080017 तहसील बेरला जिला बेमेतरा छत्र. स्थित भूमि ख07042 रकबा क्रमशः 0.3600 हे0 कुल ख07042 कुल रकबा 0.2400 हे0 भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन करने बाबत आवेदन पेश किया गया है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति का संस्था उजर-दावा हो तो दिनांक 28/06/2024 तक स्वतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में शाम 5:00 बजे तक दावा आपति पेश कर सकते हैं। तथा समय पश्चात आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अज दिनांक 18/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी ( स. ) बेरला जिला - बेमेतरा

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी ( रा. ) बेरला जिला बेमेतरा छत्र. // ईशतहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गुरनीत सिंह पिता अवतार सिंह साकिन बेमेतरा तहसील व जिला बेमेतरा छत्र. द्वारा अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ग्राम सरदा प080017 तहसील बेरला जिला बेमेतरा छत्र. स्थित भूमि ख07045 रकबा क्रमशः 0.2400 हे0 कुल ख07045 कुल रकबा 0.2400 हे0 भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन करने बाबत आवेदन पेश किया गया है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति का संस्था उजर-दावा हो तो दिनांक 28/06/2024 तक स्वतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में शाम 5:00 बजे तक दावा आपति पेश कर सकते हैं। तथा समय पश्चात आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अज दिनांक 18/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी ( स. ) बेरला जिला - बेमेतरा

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी ( रा. ) बेरला जिला बेमेतरा छत्र. // ईशतहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री जितेंद्र गुलानी कर्ता HUF सिक्किन गुलानी पिता श्री गिरधर गुलानी साकिन रायपुर तहसील व जिला रायपुर छत्र. द्वारा अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ग्राम पिंभीरी प080004 तहसील पिंभीरी जिला बेमेतरा छत्र. स्थित भूमि ख07046 रकबा क्रमशः 0.2100, 0.0700, 0.7100 हे0 कुल ख07046 कुल रकबा 0.9900 हे0 भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन करने बाबत आवेदन पेश किया गया है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति का संस्था उजर-दावा हो तो दिनांक 24/06/2024 तक स्वतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में शाम 5:00 बजे तक दावा आपति पेश कर सकते हैं। तथा समय पश्चात आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अज दिनांक 10/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी ( स. ) बेरला जिला - बेमेतरा

## विश्व सिकलसेल दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन...

श्रमबिन्दु / फरसागांव

विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर बुधवार 19 जून को पूरे जिले में जागरुकता कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इसी क्रम में फरसागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी सिकलसेल जागरुकता कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि नगर पंचायत अध्यक्ष गणेश दुग्गा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष गणेश दुग्गा ने कहा कि सिकलसेल और एनीमिया जैसे रोगों पर नियंत्रण के माध्यम से ही स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इन रोगों के कारण लोगों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, जिसका दुष्परिणाम जिले के विकास पर भी पड़ता है। इन रोगों पर नियंत्रण के लिए जागरुकता अत्यंत



आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एनीमिया के कारणों में एक कारण खानपान की आदतों में बदलाव भी शामिल है। अतः एनीमिया से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहार का सेवन करना

चाहिए। इस दौरान नगर पंचायत उपाध्यक्ष गणेश जायसवाल, नेता प्रतिपक्ष विजय लांगडे, अश्वन कुमार कुमार एएसडीएम, जय कुमार नाग तहसीलदार, डॉ

ज्योतिर्मयी प्रभावती बीएमओ, डॉ तुषार चंद्रवंशी, एनएल नेताम बीईटीओ, चेतन चौहान बीपीएम, विकास देवांगन, धीरेन्द्र मरकाम, मनोहर नेताम सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

## घटना में विपक्षी दल का हाथ, जांच चल रही, आरोपियों को नहीं बखशा जाएगा

रायपुर,। बलौदाबाजार घटना को लेकर प्रदेशभर में आज कांग्रेस प्रदर्शन कर रही. इस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, बलौदाबाजार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है. इसमें विपक्षी दल का हाथ है. अभी मामले की जांच चल रही है. जांच में जो दोषी होगा।

मंत्री कश्यप ने कहा, कानून से कोई नहीं बच सकता. दोबारा ऐसी घटना ना हो, इस पर सरकार का प्रयास है. कांग्रेस पूरी प्रकरण को लेकर आज प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है. ये वही लोग हैं, जो वहां पर पीछे से उनको सपोर्ट किए. भड्काने का काम किए. अब पूरे मामले को लेकर राजनीति कर रहे. सीएम और गुहमंत्री का स्पष्ट तौर पर कहना है कि किसी भी आरोपी को बखशा नहीं जाएगा.

कांग्रेस में अब तक नहीं हुई हार की समीक्षा. इस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, कांग्रेस हार

की समीक्षा नहीं कर रही, क्योंकि उनको पहले से पता था कि उनकी हार होगी तो समीक्षा क्या करेंगे? कांग्रेसी हार के कारण से इस तरह से उपद्रव करने वालों के साथ खड़े नजर आ रहे हैं. ऐसी तत्वों को बढ़ावा दे रहे हैं. विधानसभा और लोकसभा में कांग्रेस को करारी हार मिली है,

जिसकी बौखलाहट से कांग्रेस किसी भी हद तक उठर रही. भाजपा ऐसे आपराधिक तत्व को संरक्षण नहीं देगी। मंत्री मंडल के विस्तार पर केदार कश्यप ने कहा, मुख्यमंत्री का ये विशेषाधिकार है. जो होगा राज्य के बेहदारी के लिए होगा. पार्टी फोरम के साथ बैठक कर निर्णय लिया जाएगा. सरकार के कार्यों को निचले स्तर तक पहुंचाने कार्यकर्ता तन-मन से जुटे हुए हैं. मंत्री भी विभागों की समीक्षा कर रहे. भाजपा की सरकार बनने के बाद मंत्री अपने विभागों की समीक्षा कर रहे हैं।

# दुर्ग जिले के सभी निकायों के वार्डों का नए सिरे होगा परिशीमन

श्रमबिन्दु / दुर्ग

दुर्ग। कलेक्टर ने जिला निर्वाचन अधिकारी श्रद्धा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 10 (3) एवं छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 23 (3) के तहत वर्ष 2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या में हुई वृद्धि को देखते हुए नगरीय निकायों के वार्डों का परिशीमन किया जाना है।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों के वार्डों के परिशीमन के लिए जारी समय-सारणी के अनुसार नगर पालिक निगम दुर्ग का आम निर्वाचन 2024-2025 के लिए आवश्यकता अनुसार वार्डों के परिशीमन के लिये परीक्षण कर अभिमत सहित प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु राजस्व अधिकारी एवं उनके सहायक अधिकारियों को नियुक्ति की गई है। राज्य शासन के निर्देशानुसार नगरीय निकायों के सहायक अधिकारियों को परिशीमन की कार्यवाही में राजस्व अधिकारी को सहयोग प्रदान करने एवं निर्धारित समयवाधि के

## कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी



भीतर प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया है।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिक निगम भिलाई के लिए राजस्व अधिकारी लवकेश ध्रुव डिप्टी कलेक्टर एवं उनके सहायक अधिकारी अशोक द्विवेदी उपायुक्त, नगर पालिक निगम दुर्ग के लिए राजस्व अधिकारी मुकेश रावटे अनुविभागीय अधिकारी एवं उनके सहायक अधिकारी मोहन साहू उपायुक्त, नगर पालिक निगम

रिसाली के लिए राजस्व अधिकारी प्रफुल्ल गुप्ता एवं उनके सहायक अधिकारी संजय वर्मा सहायक राजस्व अधिकारी तथा नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा के लिए राजस्व अधिकारी महेश सिंह राजपूत अनुविभागीय अधिकारी (रा) भिलाई-3 एवं उनके सहायक अधिकारी अश्वनी चंद्राकर सहायकराजस्व निरीक्षक को नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार नगर पालिका परिषद् जामुल के लिए राजस्व अधिकारी ख्याति नेताम

तहसीलदार भिलाई-3 एवं इनके सहायक अधिकारी अंकुर पाण्डेय होंगे। नगर पालिका परिषद् अहिलारा में राधेश्याम वर्मा तहसीलदार अहिलारा एवं इनके सहायक अधिकारी श्रीमती बख्शी होंगे। नगर पालिका परिषद् कुम्हारी हेतु राजस्व अधिकारी रवि विश्वकर्मा नायब तहसीलदार एवं सहायक अधिकारी नेतराम चंद्राकर तथा नगर पालिका परिषद् अम्लेश्वर के लिए राजस्व अधिकारी भूपेन्द्र सिंह नायब तहसीलदार पाटन व सहायक अधिकारी सतीश यादव को नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में नगर पंचायत धमधा के लिए राजस्व अधिकारी पंचराम सलामे तहसीलदार धमधा एवं इनके सहायक अधिकारी अशोक ठाकुर, नगर पंचायत उतई के लिए राजस्व अधिकारी चंद्रशेखर चंद्राकर नायब तहसीलदार दुर्ग व सहायक अधिकारी राजेन्द्र नायक तथा नगर पंचायत पाटन के लिए राजस्व अधिकारी मोना साहू तहसीलदार पाटन व सहायक अधिकारी सोरभ वाजपेयी को नियुक्त किया गया है।

## फेस आईडी अटेंडेंस सिस्टम के विरोध में बीएमएस ने सांसद को ज्ञापन सौंपा

श्रमबिन्दु / भिलाई



भिलाई इस्पात मजदूर संघ युनियन के कार्यकारी अध्यक्ष रवि सिंह के नेतृत्व में सदस्यों एवं पदाधिकारी ने प्रबंधन ने 1 जुलाई से जो फेस आईडी सिस्टम लागू करने का सख्तुलर जारी किया है। उसे रुकवाने के लिए दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल को ज्ञापन सौंप कर बताया कि एक तरफ प्रबंधन कर्मचारियों को वर्षों से लांबित वेतन समझौते को अभी तक पूरा नहीं किया है। कर्मचारियों का 39 महीने का एरियर्स एचआर, लगातार उत्पादन का रिकॉर्ड बनाने के बाद भी 2007 के बाद इंसॉटिव स्कीम नहीं बदली गई है। प्रबंधन द्वारा निर्णय न करने के कारण कर्मचारियों को हर महीने हजारों रुपए का नुकसान हो रहा है। कर्मचारियों के लिए गठित एनजेसीएस कमेटी की बैठक समय पर नहीं बुलाई जाती है। प्रबंधन बैठक अपने मन से बुलाता है परंतु कर्मचारियों को मानसिक तनाव देने हेतु नए नियम लागू कर रहा है। संयंत्र में

कैंटीन रेस्ट रूम की हालत अत्यंत दयनीय स्थिति में है। कर्मचारियों के लिए बने आवास जर्जर हालत में है ना तो उनकी टारफेलिंग हो रही है ना ही उनका कोई मेटेंसेस आवास के पीछे का बैकलेन गंदगी से भरा हुआ है। परिणाम स्वरूप मच्छर का प्रकोप टाउनशिप में बरसात में बढ़ जाता है। अस्पताल की हालत भी ठीक नहीं है। प्रबंधन को कर्मचारियों की सुविधाओं की ओर ध्यान देना चाहिए ना कि उन्हें परेशान करने के लिए नए नियम बनाने चाहिए।

संयंत्र में शौचालय की व्यवस्था बेहतर नहीं है। रेस्ट रूम बेहतर नहीं है। कुलर नहीं है। सांसद बघेल ने इस विषय पर कर्मचारी हित में निर्णय करवाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने के दौरान कार्यकारी अध्यक्ष रवि शंकर सिंह हरी शंकर चतुर्वेदी, शारदा गुप्ता, आई पी मिश्रा, विनोद उपाध्याय, सुरेन्द्र चौहान, उमेश मिश्रा, रवि चौधरी, दीनानाथ जैसवार, अरविंद सिंह, अखिलेश उपाध्याय, आर के सोनी आदि उपस्थित थे।

## खास खबर

### एसएमएस-3 के सीवी-2 कास्टर में फ्लाईंग टैडिश अभ्यास सफल

भिलाई। उत्पादन में तेजी लाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप 3 के सीवी-2 कास्टर में 14 जून 2024 को फ्लाईंग टैडिश अभ्यास सफलतापूर्वक कर एक और उपलब्धि हासिल की गई। टैडिश फ्लाईंग से निर्बाध उत्पादन बनाए रखने में मदद मिलती है। जब एक टैडिश का उपयोग अनुक्रम कास्टिंग में किया जाता है, तो कास्टिंग जारी रखने के लिए टैडिश फ्लाईंग का प्रयोग किया जाता है। उल्लेखनीय है कि सीवी-2 कास्टर से नियमित उत्पादन प्रारंभ होने के सात दिनों की ही अवधि में यह उपलब्धि हासिल की गई। पहले ही प्रयास में सफल टैडिश फ्लाईंग का प्रचालन, टीम एसएमएस-3 की नई चुनौतियों को स्वीकार करने की अनुकरणीय भावना का परिणाम है। गौरतलब है कि कास्टर सीवी-2 जिसे प्रमुखतः बीम ब्लैंक कास्टर के रूप में कमीशन किया गया था, को ब्लूम और बीम ब्लैंक दोनों की कास्टिंग करने में सक्षम कॉम्बो-कास्टर में परिवर्तित कर दिया गया है। संयंत्र की यूनिवर्सल रेल मिल के ब्लूम की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए यह रूपांतरण किया गया था। 14 मई 2024 को कास्टर सीवी-2 से ब्लूम की पहली हीट निकाली गई थी, जिसके पश्चात 30 मई 2024 को तीन रेल ब्लूम का उत्पादन किया गया। 16 जून 2024 को सीवी-2 का औपचारिक उद्घाटन किया गया, जिसके बाद सीवी-2 से नियमित उत्पादन शुरू हुआ।

### बीएसपी में क्रेस्ट ऑन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

भिलाई। बीएसपी अपने कर्मचारियों के ज्ञान और प्रबंधन कौशल को निखारने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन करता रहता है। इसी क्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग द्वारा मासिक क्रिज प्रतियोगिता 'क्रेस्ट ऑन' का आयोजन 22 जून 2024, शनिवार को एचआरडीसी के सभागार में किया जा रहा है। संयंत्र के कर्मचारी इसमें भाग लेकर आकर्षक पुरस्कार जीत सकते हैं। मासिक व्यवसाय और प्रबंधन प्रश्नोत्तरी 'क्रेस्टऑन' प्रत्येक महीने के चैथे शनिवार को आयोजित किया जाता है और इसमें कार्यपालक अधिकारियों के साथ-साथ गैर कार्यपालकों की 2 सदस्यीय टीम भाग ले सकती हैं। इच्छुक प्रतिभागी, प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 22 जून 2024 को दोपहर 2:30 बजे, एचआरडीसी सभागार (प्रतियोगिता स्थल) में उपस्थित होकर पंजीयन करा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र में प्रतिवर्ष सेल स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 'समुद्धि', 'सक्षम' तथा 'समर्थ' का आयोजन किया जाता है। 'समुद्धि' क्रिज का आयोजन महिला कर्मचारियों के लिए किया जाता है, 'सक्षम' कार्यपालक अधिकारियों के लिए और 'समर्थ' गैर-कार्यपालकों के लिए आयोजित किया जाता है।

## 56 भवन स्वामी के विरुद्ध कुर्की वारंट जारी-नगर निगम भिलाई की बड़ी कार्यवाही

श्रमबिन्दु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के 56 भवन स्वामियों द्वारा लंबे समय से संपत्तिकर की राशि जमा नहीं करने पर आयुक्त ने कुर्की वारंट जारी करने का निर्देश दिया है। इस कार्य हेतु कुर्की अधिकारी धीराज साहू की नियुक्ति की गई है। सभी देनदारों से संपर्क कर 30 जून तक राशि की वसूली करने के कोर्वाई करोगे।



नगर आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने निगम को आर्थिक रूप से सबल बनाने हेतु, संपत्तिकर की वसूली शक्तिशाली हो इसके लिए समय-समय पर राजस्व करो की वसूली की समीक्षा करते हैं। इसी दौरान उन्होंने संपत्तिकर विभाग को निर्देशित किये थे, कि लंबे समय से निगम

का टैक्स जमा नहीं करने वाले भवन स्वामियों की सूची जोनवार प्रस्तुत करें। सूची के आधार पर जोन-01 नेहरू नगर क्षेत्र के व्यवसायिक एवं आवासीय भवन स्वामी जिसमें विजय जायसवाल/स्व. नंदलाल जायसवाल भिलाई, मो. अब्बुशहीद/मो.बाकर अशरफे भिलाई, सुशाली मूले/संजय मूले भिलाई, सी.गर्ग/आई.सी.गर्ग भिलाई, तुलसी

बाई/मधु दलाई भिलाई, जी.एस.भल्ला/स्व. गुरुचरण सिंह भल्ला भिलाई, अनुप कुमार/के.एल.बावनसरे भिलाई, अब्दुल रजाक/मंगल खान भिलाई, जीतेन्द्र सिंह/दलबीर सिंह भिलाई, मुबारक निशा/स्व. सिराज खा भिलाई, कलावती पाण्डेय/स्व. गंगाराम पाण्डेय भिलाई, खलील अहमद/अब्दुल वहीद भिलाई, के.ए.खाण्डेकर/स्व. अमृत खाण्डेकर भिलाई, लखन लाल भाद्राज/गोपाल प्रसाद भिलाई, मुकेश अग्रवाल/राधेश्याम अग्रवाल भिलाई, विजय चैहान/स्व. बल चैहान भिलाई, हरि चैहान/विश्वनाथ चैहान भिलाई, ज्योति अग्रवाल/किशोर अग्रवाल भिलाई, छोटन चैधरी/रामलाल चैधरी भिलाई, कालीचरण/स्व. भूखन सिंह भिलाई, राकेश अग्रवाल/प्रभुदयाल अग्रवाल भिलाई, रमनी देवी/भरत सिंह भिलाई, करुणा सिंह/दिलराज सिंह भिलाई,

कुन्दन शर्मा/स्व. जगन्नाथ भिलाई, डॉ. बेनी माधव वेद्य/आशा वेद्य भिलाई, अवधेश चैहान/जालीम चैहान भिलाई, गणेश चैहान/स्व. अदालत चैहान भिलाई, रणजीत सिंह/स्व. अजीत सिंह भिलाई, रामचन्द्र शर्मा/स्व. प्रयाग शर्मा भिलाई, संजय चैहान/अदालत चैहान भिलाई, श्याम कुमारी/रामेश्वर पाण्डे भिलाई, के. विजयन/केशवन भिलाई, कौशिल्या देवी/महादेव भिलाई, पुष्पलता/स्व. भवानी कर भिलाई, विजय साव/शिवशंकर साव भिलाई, रामकिशोर ठाकुर/देवचंद भिलाई, दिलीप कुमार/काशीदास भिलाई, उमरुत निशा/स्व. जान मोहम्मद भिलाई, वजीर अहमद/अली अखबर भिलाई, बानो बेगम/युनुश खान भिलाई, श्रीनिवास मणि त्रिपाठी/रमाकांत मणि त्रिपाठी भिलाई, परमेश्वरी विधालय भिलाई, रूपल चैरसिया/संजय चैरसिया भिलाई, ममता

चैरसिया/संतोष चैरसिया भिलाई, निरंजन कौर/स्व. दर्शन सिंह भिलाई, रामचन्द्र वर्मा/रामु वर्मा भिलाई, सिराज अली/अमीर अली भिलाई, बुधाक/स्व. होरा लाल वर्मा भिलाई, खलील भिलाई, उर्मिला देवी सोनी/विश्वनाथ सोनी भिलाई, राजेन्द्र झा/स्व. टी.झा भिलाई, अंजु कुशवाहा/रवि कुशवाहा भिलाई, सुरेश कामडे/स्व. जगलू कामडे भिलाई, संगीता पांडे/संजय पांडे भिलाई, रश्मि साधु/स्व. पी.आर. साधु भिलाई, इशरा खान/अब्दुल रजक भिलाई शामिल है। इन भवन स्वामियों द्वारा लंबे समय से संपत्तिकर राशि का भुगतान नहीं किया गया है। निगम द्वारा सभी भवन स्वामी को नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 174 की नोटिस जारी कर 30 जून के भीतर निगम को देय लांबित राशि का भुगतान करने को कहा गया था।

## महापौर बाकलीवाल ने 10 लाख की लागत से बन रहे डामरीकरण सड़क का निरीक्षण किया

श्रमबिन्दु / दुर्ग

नगर पालिक निगम सोमा क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को महापौर धीराज बाकलीवाल ने 10 लाख की लागत से हो रहे वार्ड क्र. 23 में मालवीय नगर चौक से एवलॉन होटल तक सड़क डामरीकरण कार्य का आकस्मिक निरीक्षण किया उन्होंने अप्सरों से कहा कि गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के साथ रोड पर पानी का जमाव न हो इसके लिए स्लोप मेंटेन पर लापरवाही नहीं बरती जाए। महापौर धीराज बाकलीवाल के संग एमआईसी सदस्य संजय कोहले, दीपक साहू,मनदीप सिंह भाटिया व वार्ड पार्षद मोगीा सिंह,उपअभियंता विकास दमाहे



एवं ठेकेदार मौजूद थे। डामरीकरण कार्य 10 लाख की लागत से किया जा रहा है।करीब 200 मीटर लंबी सड़क का डामरीकरण प्रारंभ किया गया है। महापौर धीराज बाकलीवाल ने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।उन्होंने

साफ कहा कि डामरीकरण कार्य को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए।महापौर ने कहा कि काफी समय से वार्ड पार्षद श्रीमती मोना सिंह व क्षेत्रीय नगरिक इस सड़क का डामरीकरण कराने की मांग कर रहे थे। यह कार्य पूरा होने पर यहां से आने-जाने वाले हजारों

लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।महापौर श्री बाकलीवाल ने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी सूरत में समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने ठेकेदार को साफ शब्दों में कहा कि वार्ड क्रमांक 23 मालवीय नगर से स्टेशन जाने वाली मार्ग पर डामरीकरण की क्वालिटी बेहतर रखने सख्त निर्देश दिए एवम समय-समय पर सड़क की गुणवत्ता काआकस्मिक निरीक्षण करेंगे।महापौर धीराज बाकलीवाल ने उक्त सड़क निर्माण कार्य का आकस्मिक निरीक्षण किया।उन्होंने कहा वार्ड सड़क डामरीकरण कार्य से 250 से अधिक परिवार लाभान्वित होंगे।

## बरसात की आहट शुरू होते ही निगम ने किया बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ को सक्रिय

श्रमबिन्दु / भिलाई

बरसात के आगमन की आहट शुरू हो गई है। अति वृष्टि होने पर नगर निगम भिलाई के निचली बस्तियों में पानी भरने की संभावना बनी रहती है। उसके बचाव के लिए नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने बाढ़ से बचाव हेतु आपदा प्रबंधन के लिए बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ दल एवं कंट्रोल रूम का गठन किया है।

नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय एवं जोन कार्यालय में 24 घंटा संचालित होगी। अपर आयुक्त अशोक कुमार द्विवेदी इसके नोडल अधिकारी होंगे। अपर आयुक्त के निर्देशन में अधिकारी एवं कर्मचारी आपदा प्रबंधन का कार्य संपादित करेंगे। नगर निगम का कंट्रोल रूम में

ऑपरेटर राजदीप वैष्णव मो न 9039136979, मिलाप साहू मो न 9111681708 सुबह 6 से 2 एवं उमेश कोरी मो न 8839022648, दिलीप कुमार हुमने मो न 8234018349 दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक, उमा शंकर मो न 9981904447, दुमन लाल मो न 6266620379, युवराज साहू मो न 9970337382 रात्रि 10 से सुबह 6 बजे तक कार्य करेंगे। सभी कंट्रोल रूम 24 घंटे खुले रहेंगे। अति वृष्टि के दौरान कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों का निराकरण संबंधित अधिकारी निपटारा करके आयुक्त को रिपोर्ट करेंगे। विशेष रूप से मुख्य कार्यालय कंट्रोल रूम प्रभारी, राजस्व अधिकारी श्रीनिवास पटेल एवं स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा, प्रसार अजय शुक्ला जन सम्पर्क अधिकारी हैं।

## अपराजिता महज एक शब्द नहीं बल्कि जुनून है राष्ट्रवाद का:अनिता

श्रमबिन्दु / भिलाई

दि एसोसिएशन ऑफ वी वल्व्स ऑफ इंडिया डिस्ट्रिक्ट 323.जी.3 अपराजिता का 2 दिवसीय कार्यक्रम डिस्ट्रिक्ट कॉन्ग्रेस सत्र 2023. 24 हर पल दिल के पास एवं डिस्ट्रिक्ट शपथ ग्रहण सत्र 2024-25 नवनीता का आयोजन मनेद्रगढ़ छत्तीसगढ़ में तीन सत्रों में संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा की वरिष्ठ नेत्री पूर्व राष्ट्रीय महिला मोजी अध्यक्ष श्रीमती कांता नलावडे, विशिष्ट अतिथि के रूप में लायन रंजना क्षेत्रवाल पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं श्रीमती प्रभा पटेल नगर पालिका अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ उपस्थित थीं।

प्रथम दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता 'डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट वी अनिता अग्रवाल ने की। कार्यक्रम में विशेष रूप से वाइस डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट वी अनिता फरमानिया संरक्षिका वी लता आर्या जी, वी रीता गुप्ता जी एवं चीफ एडवाइजर वी अंशु गोयल जी भी उपस्थित थीं। भारत माता के तैलचित्र पर माल्यापण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। ध्वज वंदना डिक की पीआरओ वी माधुरी पंडा ने की। स्वागत भाषण आयोजक क्लब मनेंद्रगढ़



समर्पण की अध्यक्ष वी प्रीति जायसवाल ने दिया।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए वी अनिता अग्रवाल ने कहा कि हम सब अपराजिता हैं और अपराजिता महज एक शब्द नहीं है अपराजिता नाम है उस जुनून का जो दिल में जगता है तो सैर करा देता है जन्नत की, आभास करा देता है, सूर्य से अभिमान का, दर्प जगा देता है राष्ट्र के स्वाभिमान का, प्रेरणा जगा देता है आसमां को छूने की और अविताया जगा देता है। नत्सला के वात्सल्य की। आपका कार्य करने का जुनून ही आपको सामान्य से विशेष बनाता है। कैबिनेट में डिस्ट्रिक्ट की सचिव द्वय वी अमरजीत कथूर एवं वी अल्का फरमानिया ने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष वी उषा अग्रवाल ने वर्ष भर का

आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सभी 6 एरिया ऑफिसर ने रिपोर्ट प्रस्तुत की।

नामिनेशन कमेटी की चेयरमैन वी लता आर्या जी ने अगले सत्र के लिए डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट पद हेतु वी अनिता फरमानिया और वाइस प्रेसिडेंट पद हेतु वी मनीषा सोनी के प्रस्ताव को सही बताया। दोनों उम्मीदवारों ने कहा कि यदि उन्हें ये जवाबदारी मिलती है तो वो अपने अपने दायित्व का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करेंगी और सबकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी।

डिस्ट्रिक्ट की संरक्षक द्वय ने शानदार डिस्ट्रिक्ट कॉन्ग्रेस की सफलता पर बधाई देते हुए आशीर्वचन दिए। सबको एकजुट होकर कार्य करने एवं निष्ठा पूर्वक दायित्व निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि श्रीमती कांता नलावडे ने कहा कि एक महिला सब कुछ कर सकती है। यदि वह ठान ले तो जीवन में हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा सकती है। बस कुछ कर गुजरने का जन्वा होना चाहिए। विशेष अतिथि लायन रंजना क्षेत्रवाल ने कहा कि सेवा के पथ पर महिलाएं ही ज्यादा लगन और परिश्रम से कार्य करते हुए अपना शत प्रतिशत देती हैं। सेवा का भाव एक स्त्री में जन्मजात होता है। चीफ एडवाइजर वी अंशु गोयल ने पुरानी टीम को अच्छे कार्य करने हेतु बधाई दी एवं नई टीम को शपथ लेने पर शुभकामनाएं दीं।

डिस्ट्रिक्ट कॉन्ग्रेस में द्वितीय सत्र में सभी क्लबों के अध्यक्षों ने अपनी टीम के साथ माल्या पूर्ण तरीके से बैनर प्रजेंटेशन किया। डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट वी अनिता अग्रवाल ने डिस्ट्रिक्ट के सभी क्लबों एवं सदस्यों को उनके द्वारा किए गए अच्छे कार्यों के लिए ढेर सारे अवॉर्ड्स देकर सम्मानित किया। द्वितीय सत्र में ही डि प्रेसीडेंट अनिता अग्रवाल ने अगले सत्र के लिए डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट के रूप में वी अनिता फरमानिया और वाइस प्रेसीडेंट के रूप में वी मनीषा सोनी के नाम की घोषणा की। दूसरे दिन तीसरे सत्र में गरिमामई वातावरण में समारोह पूर्वक गण सत्र हेतु शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया।

श्रमबिन्दु / रिसाली

नए राशन कार्ड वितरण के लिए 3 अलग-अलग स्थानों में स्टॉल लगाया जा रहा है। रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उक्त निर्देश दिए। दरअसल कुछ वार्डों में उचित मूल्य के राशन दुकान क्रमांक बदलने से कार्ड वितरण व्यवस्था में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

लोकसभा आचार संहिता खत्म होते ही रिसाली निगम ने राशन कार्ड वितरण शासकीय दुकानों के माध्यम से कराने का निर्णय लिया था। बाद में खुलासा हुआ कि राशन कार्ड पीडीएफ में दर्शाए पता और राशन दुकान क्रमांक में भिन्नता है। इस वजह से कार्ड वितराहियों को लंबी कतार में खड़ा होना पड़ रहा था। हितग्राहियों को इस समस्या को दूर करने निगम आयुक्त ने ऐसे 3 स्थानों से कार्ड वितरण करने का निर्देश दिए, जहां हितग्राही



आसानी से पहुंच सकते हैं। कार्ड वितरण स्थल पर अतिरिक्त कर्मचारियों की इ्यूटी भी लगाई है। हितग्राही यहां से ले सकते हैं राशन कार्ड

मंगल भवन रूआबांधा पुरैना व डुंडेरा में वितरण दुकान से खाद्य विभाग से लगभग 20 हजार से अधिक राशन कार्ड वितरण के लिए उपलब्ध कराया है। पुरैना व डुण्डेरा के कार्ड में किसी तरह की त्रुटि नहीं है। राशन कार्ड उचित मूल्य की दुकान से वितरण किया जा रहा है।